

● पीएम की अपील पर 97% मंत्री इंस्टाग्राम पर एक्टिव

शाह के 8 लाख फॉलोअर्स बढ़े; मंत्रियों ने 1 महीने में 1000 से ज्यादा पोस्ट



नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 जुलाई 2026 को कैबिनेट बैठक में मंत्रियों से इंस्टाग्राम पर ज्यादा सक्रिय होने, रील बनाने व युवाओं से संवाद करने को कहा था। इसके बाद 24 अगस्त तक 29 में से 28 यानी 97% कैबिनेट मंत्रियों की इंस्टाग्राम एक्टिविटी बढ़ी है। जदयू के राजीव रंजन सिंह को छोड़ सभी मंत्री ज्यादा सक्रिय हैं। मोदी कैबिनेट में सबसे ज्यादा फॉलोअर्स गृह मंत्री शाह के बढ़े हैं। पिछले 1 महीने में उनके 8.53 लाख फॉलोअर्स बढ़े हैं।

रील्स पर जोर- पीएम की

सलाह के बाद मंत्रियों ने रील्स पर जोर दिया है। उपभोक्ता मामले, खाद्य व सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी ने नीतियों व अहम मुद्दों को रील्स के जरिए समझाने पर जोर दिया। मंत्रियों ने पिछले 1 महीने में 1,179 पोस्ट किए हैं। यह पहले की तुलना में 48% ज्यादा है।

पीएम ने खुद सोशल मीडिया पर कई वीडियो जारी किए- नीट पेपर लीक पर जंतर-मंतर पर हो रहे विरोध प्रदर्शन के बीच पीएम मोदी ने कई बार सोशल मीडिया पर वीडियो जारी किया था। इन वीडियो में उन्होंने जैन-जी को पेपर लीक के मुद्दे पर संबोधित किया था।

सरकार जैन-जी से करेगी बात, वन डे-वन यूनिवर्सिटी प्लान
मोदी सरकार युवाओं से जुड़ने के लिए रोज एक यूनिवर्सिटी में एक कैदीय मंत्री भेजने की योजना बना रही है। मंत्री छात्रों से उनकी चिंताओं पर बात करेंगे और देश से जुड़े मुद्दों पर उनका नजरिया समझेंगे। 19 अगस्त को मोदी कैबिनेट की बैठक के दौरान 'वन डे, वन यूनिवर्सिटी' कार्यक्रम के तहत मंत्री तय यूनिवर्सिटी में जाकर छात्रों से अलग-अलग मुद्दों पर चर्चा करेंगे। वे छात्रों की राय सुनेंगे और खासकर युवाओं व छात्रों के लिए चल रही सरकारी योजनाओं की जानकारी देंगे।

किया था। एक वीडियो में पीएम ने उन स्टूडेंट्स को माफ करने की भी बात कही थी जिन्होंने प्रदर्शन के दौरान उन्हें गाली दी थी।

एस-400 से डरकर बॉर्डर के पास नहीं आए पाकिस्तानी जेट

पूर्व वायुसेना अधिकारी का दावा- स्लीपर सेल से डिफेंस सिस्टम की लोकेशन की जासूसी कराई



काफी नुकसान पहुंच था। 22 अप्रैल 2025 हमले में 26 लोगों की मौत के बाद भारत ने को कश्मीर के पहलगांव में हुए आतंकी जवाबों कार्रवाई की थी।

दावा-भारतीय पब्लिशर ने सोनिया की किताब छापने से मना किया

पेंगुइन इंडिया ड्राफ्ट में बदलाव कराना चाहता था, लेखक राजी नहीं हुए

नई दिल्ली, एजेंसी। पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया (PRHI) कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की संस्मरण किताब 'बिलॉगिंग: अ जर्नी ऑफ लव' भारत में प्रकाशित नहीं करेगा। यह जानकारी द इंडियन एक्सप्रेस को मिली है। एक्सप्रेस के मुताबिक, PRHI ने किताब के एक हिस्से में कुछ 'एडिटरियल बदलाव और हिस्से हटाने' की मांग की थी, लेकिन लेखकों ने इस मांग को ठुकरा दिया। पेंगुइन इंडिया के इस प्रोजेक्ट से बाहर होने के बाद हार्पर कॉलिंस भारत में किताब के प्रकाशन का काम मिल सकता है। पहले इस किताब को 10 नवंबर को प्रकाशित होना था। किताब में सोनिया अपने राजनीति में सफर और 2004 में प्रधानमंत्री पद स्वीकार नहीं करने के फैसले से जुड़े अनुभव बताएंगी।



तमिलनाडु सीएम विजय तय सीट छोड़कर मंत्रियों के बीच बेटे
सदन की कार्यवाही में हिस्सा लिया, तमिलनाडु विधानसभा में ऐसा पहली बार हुआ



चैन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु विधानसभा में गुरुवार को असामान्य नजारा देखने को मिला। मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय अपनी निर्धारित सीट छोड़कर मंत्रियों के बीच जाकर बैठ गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, विधानसभा के इतिहास में यह पहली बार है कि जब किसी मुख्यमंत्री ने अपनी तय सीट छोड़कर मंत्री के लिए निर्धारित सीट पर बैठकर कार्यवाही में हिस्सा लिया। वे सदन के नेता और मंत्री के एंगेजमेंट और मंत्री आध्व अर्जुन के बीच जाकर बैठ गए।

बिहार के 20 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

● 50 हजार से ज्यादा घर डूबे; उतराखंड में लैंडस्लाइड, हिमाचल में 70 सड़कें बंद

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार के खाड़ीया और चंपारण समेत 20 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, 1 सितंबर तक बारिश का दौर जारी रह सकता है। वहीं, नेपाल में आई बाढ़ से बिहार के 8 जिलों में हाई अलर्ट है। गंगा और गंडक खतरे के निशान से ऊपर हैं। कोसी और बागमती नदियां भी उफान पर हैं। यहां 50 हजार से ज्यादा घर पानी में डूबे हैं।



हिमाचल प्रदेश में एक बार फिर भारी बारिश का दौर शुरू होने की संभावना है। मौसम विभाग ने 31 अगस्त से 2 सितंबर तक अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। लैंडस्लाइड्स और भारी बारिश के चलते राज्य में 70 सड़कें बंद हैं।

राखी पर रामदेव ने कंगना को मिठाइयां-रुपए भेजे

कहा- विवाद खत्म करें; एक्ट्रेस बोलीं- त्योहार पर भूल-चूक माफ, ईश्वर आपको लंबी आयु दे

हरिद्वार, एजेंसी। रक्षाबंधन पर योग गुरु बाबा रामदेव ने अभिनेत्री और सांसद कंगना रनोट के लिए मिठाई और उपहार भेजा। उन्होंने एक लिफाफे में 500 रुपए के नोटों की गड्ढी भी भेजी। इस दौरान रामदेव ने कहा कि रितों में मिठास बनी रहनी चाहिए और पुराने गिले-शिकवे भुलाकर प्रेम के साथ आगे बढ़ना चाहिए। रामदेव ने कहा कि देश में किसी भी कारण से नफरत और एक-दूसरे के प्रति वैर



भाव नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों उनके और कंगना रनोट के बीच विवाद की चर्चा हुई थी, जिसे संवाद के जरिए खत्म किया जाना चाहिए। मैं कंगना को फोन कर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दूंगा।

: खबर संक्षेप:

मालदा में एक महीने में 75+ नवजातों की मौत
एक दिन में 10 बच्चों की मौत के बाच जांच का आदेश



मालदा, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के मालदा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में अगस्त में नवजातों की मौत का आंकड़ा 75 के पार पहुंच गया है। इनमें एक ही दिन 10 बच्चों की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अस्पताल ने स्वास्थ्य विभाग को रिपोर्ट भेजी है। इस बीच जिला प्रशासन ने भी अलग से रिपोर्ट मांगी है। गुरुवार को अतिरिक्त जिलाधिकारी ने मेडिकल कॉलेज के अधिकारियों के साथ बैठक की। प्रशासन यह पता लगाना चाहता है कि एक महीने में मौतों का आंकड़ा 75 के पार कैसे पहुंचा। अस्पताल प्रबंधन की ओर से बैठक में कुछ बिंदु रखे गए हैं। इन्हें विस्तृत रिपोर्ट में शामिल किया जाएगा। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई तय होगी। मौतें रोकने के लिए नई गाइडलाइन भी तैयार की जा रही है। इलाज भी जांच के दायरे में भर्ती के बाद इलाज की प्रक्रिया, बच्चों की स्थिति व उपचार में किसी स्तर पर कमी की भी जांच होगी।

पंजाबी इंग्लैंडर्स मंजीत कौर को पेड़ से बांधकर जलाया था जिंद

2 महीने तक दबाए रखा केस, अब चंडीगढ़ पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

मोहाली, एजेंसी। पंजाबी इंग्लैंडर्स मंजीत कौर की मौत के मामले में चंडीगढ़ पुलिस ने अपहरण कर हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। मामले में पंजाब पुलिस, खासकर खरड़ सदर थाना पुलिस की बड़ी लापरवाही सामने आई है। आरोप है कि घटना के बाद से खरड़ पुलिस ने न तो हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया और न ही मंजीत कौर के होश में आने के बाद उसके बयान दर्ज किए। मंजीत कौर ने पीजीआई में इलाज के दौरान बयान दर्ज करने के लिए पुलिस को बुलाया था। पीजीआई चौकी की ओर से भी खरड़ सदर थाना पुलिस को बताया गया था कि मंजीत कौर को होश आ गया है और उसके बयान दर्ज कर लिए जाएं।

छात्राओं ने योगी को बांधी राखी योगी की बच्चों को सलाह, स्मार्टफोन से बनाएं दूरी; पढ़ें अच्छी किताबें



लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्कूली बच्चों को स्मार्टफोन का इस्तेमाल कम करने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि तकनीक आज के समय की जरूरत है, लेकिन इसकी अपनी सीमा भी है। स्मार्टफोन पर जबरूरत से ज्यादा निर्भरता सोचने-समझने की क्षमता को प्रभावित कर सकती है। साथ ही, ज्यादा स्क्रीन टाइम का आखों की रोशनी पर भी असर पड़ सकता है।

है। मुख्यमंत्री शुक्रवार को रक्षाबंधन के अवसर पर कालिदास मार्ग स्थित अपने सरकारी आवास पर आयोजित 'स्नेह बंधन' कार्यक्रम में स्कूली छात्राओं को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान एक छात्र ने उनसे सोशल मीडिया के बुरे प्रभाव को लेकर सवाल किया। जवाब में मुख्यमंत्री ने बच्चों से स्मार्टफोन पर कम समय बिताने और अच्छी व प्रेरणादायक किताबें पढ़ने की अपील की।

स्मार्टफोन आज की पीढ़ी के लिए चुनौती-योगी ने कहा कि अगर जीवन में आगे बढ़ना है तो अच्छी सोच विकसित करनी होगी। तकनीक जरूरी है, लेकिन जब किसी चीज पर निर्भरता इतनी बढ़ जाए कि वह हमारी सोचने की क्षमता को प्रभावित करने लगे तो उससे दूरी बना लेनी चाहिए। उन्होंने स्मार्टफोन को आज की पीढ़ी के लिए एक चुनौती बताया। मुख्यमंत्री ने कैलकुलेटर का उदाहरण देते हुए कहा कि पहले लोग पहाड़ और गिनती याद कर लेते थे। अब कैलकुलेटर पर बढ़ती निर्भरता से ऐसी चीजों को याद रखने की क्षमता कम हुई है।

दिल्ली के कपल पर पाकिस्तान के लिए जासूसी का आरोप

दुबई के रास्ते 8 भारतीय सिम भेजे, पाकिस्तानी हैंडलर से 2 साल से संपर्क में थे

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI से जुड़े जासूसी नेटवर्क का खुलासा किया है। पुलिस ने जासूसी के आरोप में दिल्ली के कपल साहिल (25) और उसकी पत्नी समीरा (21) को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, दोनों 2024 से पाकिस्तान में बैठे खुफिया अधिकारियों के संपर्क में थे। वे भारत से जुड़ी संवेदनशील जानकारी जुटाने, 8 भारतीय सिम कार्ड पाकिस्तान भेजने और दूसरे



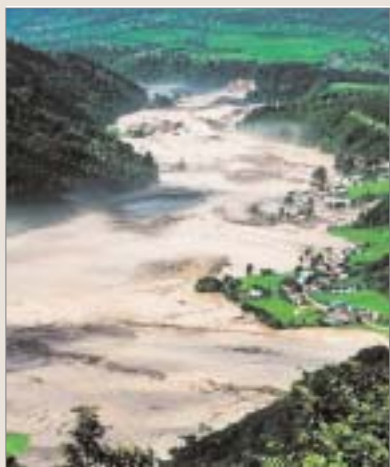
लोगों को जासूसी के लिए तैयार की वजह से के रसुवा जिले में रेस्क्यू ऑपरेशन 90 मिनट के लिए रोक दिया गया है। भोटेकोशी, त्रिशूली और नारायणी नदी के पास के कई गांव खाली कराए जा रहे हैं। लोगों और सुरक्षाकर्मियों को तुरंत सुरक्षित जगहों पर जाने को कहा गया है। इस बीच चीन

भारतीय सिम पुलिस के मुताबिक, साहिल और समीरा ने 2024 से 2025 के बीच 8 भारतीय सिम कार्ड हासिल किए। इन सिम कार्ड को दुबई के रास्ते पाकिस्तान भेजा गया। हैंडलर ने इसके लिए दंपती को 30 हजार रुपए दिए थे। पुलिस ने बताया कि इन नंबरों से पाकिस्तान में वॉट्सऐप अकाउंट एक्टिवेट किए गए। पाकिस्तानी खुफिया अधिकारियों ने इन अकाउंट के जरिए भारत में लोगों से संपर्क किया और संवेदनशील जानकारी जुटाने की कोशिश की।

तिब्बत में फिर झील फटी, नेपाल में गांव खाली कराए

● सेना ने लोगों से सुरक्षित जगह पर जाने को कहा; अब तक 478 मौतें, 1500 लापता

एक दिन पहले ही जताई थी। झील फटने के बाद पानी का स्तर बढ़ने लगा है। खतरे की वजह से के रसुवा जिले में रेस्क्यू ऑपरेशन 90 मिनट के लिए रोक दिया गया है। भोटेकोशी, त्रिशूली और नारायणी नदी के पास के कई गांव खाली कराए जा रहे हैं। लोगों और सुरक्षाकर्मियों को तुरंत सुरक्षित जगहों पर जाने को कहा गया है। इस बीच चीन



काठमांडू, एजेंसी। नेपाल-तिब्बत सीमा के पास बनी एक और झील फट गई है। यह झील चोचेन नदी और पुरेपु सांगपो नदी के संगम का पास बनी थी। चीन ने इसके फटने की आशंका

चीन बोला - नेपाल में ऊंचाई वाले इलाके में ग्लेशियर टूटने से आई बाढ़

चीन ने शुक्रवार को कहा कि नेपाल में ऊंचाई वाले इलाके में ग्लेशियर टूटने से बुधवार को भोटेकोशी नदी में अचानक बाढ़ आई हो सकती है। इस बाढ़ ने नेपाल-तिब्बत सीमा के बड़े इलाके में तबाही मचाई। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि चीन और नेपाल के विशेषज्ञों और सरकारी संस्थानों ने शुरुआती जांच की है। उनके मुताबिक, ऊंचाई वाले इलाके में ग्लेशियर टूटना इस आपदा की संभावित वजह हो सकती है। अपनों की तलाश में राहत केंद्र के बाहर जुटे परिजन नेपाल में बाढ़ के बाद शुक्रवार को सेना के राहत केंद्र के बाहर लापता लोगों के परिजन अपनों की तलाश में जुटे रहे। दीवारों पर लापता लोगों के नाम और जन्मतिथि वाले कागज चिपकाए गए थे, जबकि कुछ लोग सैनिकों को अपने परिजनों के नाम और फोन नंबर बता रहे थे। सेना के जनरल राजाराम बसनेत के मुताबिक, गुरुवार को करीब 900 लोगों को रसुवा के तिमुरे और स्याफ्रूबेसी से सुरक्षित निकाला गया। इनमें 119 विदेशी नागरिक भी शामिल थे, जिनमें 92 भारतीय, 13 चीनी, 8 कोरियाई, 2 इतालवी और 2 अमेरिकी नागरिक थे।

उदयपुर में चचेरे भाई ने डेढ़ लाख रुपये में बहन को बेचा, अहमदाबाद ले जाकर फैक्ट्री कर्मचारी को सौंपा

उदयपुर, एजेंसी। उदयपुर के ग्रामीण थाना क्षेत्र में रिश्तों को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। एक शادیशुदा युवती को उसके चचेरे भाई द्वारा कथित तौर पर डेढ़ लाख रुपये में अहमदाबाद में बेचने और खरीदार द्वारा उसे पांच दिन तक बंधक बनाकर दुकर्म करने का आरोप है। पीड़िता 25 अगस्त को किसी तरह आरोपी के चंगुल से निकलकर अपने गांव पहुंची और परिजनों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद परिजनों ने 26 अगस्त को रिपोर्ट दर्ज कराई। थानाधिकारी गोपाल सिंह मीणा के अनुसार, पीड़िता का चचेरा भाई 19 अगस्त को उसे बहला-फुसलाकर अहमदाबाद ले गया था। वहां उसने फैक्ट्री में काम करने वाले एक युवक के हवाले कर दिया और खुद गांव लौट आया। आरोप है कि फैक्ट्री कर्मचारी ने युवती को अपने कमरे में पांच दिन तक बंधक बनाकर रखा और उसके साथ दुकर्म किया। पीड़िता के गांव लौटने के बाद घटना की जानकारी दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस चचेरे भाई से पूछताछ कर रही है, जबकि अहमदाबाद में मौजूद मुख्य आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस टीम भेजने की तैयारी है।

जयपुर के निम्स यूनिवर्सिटी में दो दिन में दो 2 छात्रों की मौत, कई लोगों से पूछताछ; पुलिस जांच में जुटी

जयपुर, एजेंसी। जयपुर जिले के अचरोल में स्थित निम्स विश्वविद्यालय में लगातार दूसरे दिन छात्र ने आत्महत्या की है। अब विश्वविद्यालय के सनराइज हॉस्टल के कमरे में एक छात्र का शव फंदे से लटका हुआ मिला है। अचरोल पुलिस थाना अधिकारी राजबीर सिंह ने बताया कि मृतक छात्र मोहित सैनी उत्तर प्रदेश में मथुरा जिले के लोटेसर गांव का निवासी था। बुधवार रात करीब 11 बजे मोहित के कमरे से बदवू आने पर अन्य छात्रों ने पुलिस और विश्वविद्यालय प्रशासन को सूचना दी। पुलिस ने कमरे का दरवाजा तोड़कर देखा तो मोहित का शव फंदे से लटका हुआ मिला। शव से बदवू आ रही थी। ऐसे में आशंका है कि मोहित ने एक-दो दिन पहले आत्महत्या की होगी। हॉस्टल के अन्य छात्रों ने बताया कि मोहित एक-दो दिन से उन्हें नजर नहीं आ रहा था। पुलिस ने देर रात मोहित का शव अस्पताल की मांचरी में रखवाया। गुरुवार सुबह स्वजन के पहुंचने पर शव का पोस्टमार्टम किया गया। उल्लेखनीय है कि मंगलवार रात को विश्वविद्यालय के हॉस्टल की 15वीं मंजिल से एक छात्र ने छलांग लगाकर आत्महत्या की थी।

डीयू में पीएचडी के लिए दाखिले शुरू, 4-वर्षीय यूजी वाले छात्र 6 सितंबर तक करें आवेदन, कितना चाहिए सीजीपीए

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय में चार वर्षीय यूजी पाठ्यक्रम पूरा करने वाले विद्यार्थियों के लिए सीधे पीएचडी में दाखिले का रास्ता खुल गया है। विश्वविद्यालय ने पीएचडी प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। इच्छुक और पात्र विद्यार्थी 27 अगस्त से छह सितंबर तक पीएचडी प्रवेश पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण कर सकते हैं। पीएचडी प्रवेश के लिए आवेदन शुल्क श्रेणी के अनुसार निर्धारित किया गया है। यह शुल्क गैर-वापसी योग्य होगा। हालांकि, केवल चार वर्षीय स्नातक डिग्री और निर्धारित सीजीपीए पूरा कर लेने से पीएचडी में सीधे प्रवेश नहीं मिलेगा।

प्रवेश परीक्षा से गुजरना होगा: डीयू के अनुसार, पात्रता पूरी करने वाले अभ्यर्थियों को संबंधित विभाग या विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित प्रवेश परीक्षा में शामिल होना होगा। यानी चार वर्षीय यूजी डिग्री और आवश्यक सीजीपीए होने के बाद भी पीएचडी में दाखिले के लिए परीक्षा प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

पंजाबी इंप्लूएंसर मंजीत कौर को पेड़ से बांधकर जलाया था जिंदा, 2 महीने तक दबाए रखा केस, अब चंडीगढ़ पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

मोहाली, एजेंसी। पंजाबी इंप्लूएंसर मंजीत कौर की मौत के मामले में चंडीगढ़ पुलिस ने अपहरण कर हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। मामले में पंजाब पुलिस, खासकर खरड़ सदर थाना पुलिस की बड़ी लापरवाही सामने आई है। आरोप है कि घटना के बाद से खरड़ पुलिस ने न तो हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया और न ही मंजीत कौर के होश में आने के बाद उसके बयान दर्ज किए। मंजीत कौर ने पीजीआई में इलाज के दौरान बयान दर्ज कराने के लिए पुलिस को बुलाया था। पीजीआई चौकी की ओर से भी खरड़ सदर थाना पुलिस को बताया गया था कि मंजीत कौर को होश आ गया है और उसके बयान दर्ज कर लिए जाएं। इसके लिए जांच अधिकारी एसआई लखविंदर सिंह को बकायदा फोन पर सूचना दी गई, लेकिन वह बयान दर्ज करने अस्पताल नहीं पहुंचे। पीजीआई चौकी में इसकी डीडोआर भी दर्ज है। अब मंजीत कौर



की मौत के बाद चंडीगढ़ पुलिस ने उसकी मां कांता देवी के बयान पर तुरंत अपहरण कर हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। मृतका की मां का आरोप है कि मंजीत कौर को दो जानकारों ने सेक्टर-34 स्थित शराब के ठेके के पास बुलाया और वहां से अपहरण कर मोरिंडा ले गए। आरोपितों ने उसे स्तूत के पेड़

से बांधकर आग लगा दी। घटना 3 जुलाई की देर रात की है। मंजीत कौर लंबे समय तक जिंदगी और मौत की लड़ाई लड़ती रही थी। 9 जुलाई को उसे पीजीआई में भर्ती कराया गया। 5 अगस्त को उसे होश आया, लेकिन इसके बाद भी खरड़ पुलिस उसके बयान दर्ज करने नहीं पहुंची। करीब दो महीने तक गंभीर

►पीजीआई में हुआ पोस्टमार्टम:

शिकायत मिलने के बाद बुधवार रात सेक्टर-34 थाना प्रभारी एसएचओ शादी लाल ने तुरंत एफआईआर दर्ज कर ली। वीरवार को मंजीत कौर के शव का पोस्टमार्टम करारकर शव परिजनों को सौंप दिया गया। पोस्टमार्टम के दौरान एसएचओ शादी लाल खुद मोर्चरी में मौजूद रहे।

►शुभी और पिंदा की तलाश में जुटी पुलिस:

मृतका की मां कांता देवी ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि मंजीत कौर को उसके दो जानकार शुभी और पिंदा ने कॉल कर सेक्टर-34 में बुलाया था। 3 और 4 जुलाई की रात दोनों ने मंजीत कौर के साथ मारपीट की और उसे गाड़ी में अगवा कर मोरिंडा के जंगल क्षेत्र में ले गए। वहां उसे स्तूत के पेड़ से बांधकर आग लगा दी। कांता देवी के अनुसार आग लगाने के बाद आरोपित फरार हो गए। इसी दौरान मंजीत कौर का एक जानकार वहां अचानक पहुंचा और कंबल खोलकर आग बुझाई। इसके बाद उसे मोरिंडा अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से उसे पीजीआई रेफर कर दिया गया। इस दौरान मंजीत कौर को मोहाली के मैक्स अस्पताल भी ले जाया गया। वहां से बाद में उसे पीजीआई रेफर किया गया।

हालत में रहने के बाद 26 अगस्त को इलाज करीब दो महीने तक गंभीर

कौर सत्री एंक्लेव में रहती थी, जबकि उसकी मां और भाई पंचकूला के सेक्टर-19 में रहते हैं।

महाराष्ट्र में फिर भाषा विवाद: हिंदी बोलने वाले ऑटो ड्राइवरों की होगी पिटाई, एमएनएस की खुली धमकी



नागपुर, एजेंसी। राज्य सरकार ने हिंदी भाषी ऑटो रिक्शा और टैक्सी चालकों को मराठी सीखने के लिए जहां एक साल का समय दिया है वहीं, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) ने इसका विरोध किया है। एमएनएस नेता अमित ठाकरे ने चेतावनी दी है कि यदि कोई ऑटो-रिक्शा और टैक्सी ड्राइवर हिंदी में बात करते हुए पाया गया तो हम उसकी पिटाई करेंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर भी निशाना साधा। उन्होंने काम-काज के लायक मराठी सीखने के लिए एक

साल का समय देने के फैसले पर सवाल उठाए और आरोप लगाया कि मराठी भाषा के बजाय उत्तर प्रदेश में होने वाले चुनावों से जुड़े राजनीतिक लाभ को ज्यादा अहमियत दी जा रही है। कहा कि उन्हें 10 साल का समय दे दीजिए।

उन्हें 15 साल का समय दे दीजिए। हमें समझ आ गया है कि आपको मराठी भाषा और हमारे राज्य से कितना लगाव है। आप गुजरात, पंजाब या दक्षिण भारत में जाइए, हर जगह लोग अपनी भाषा से जुड़े होते

हैं। अब उत्तर प्रदेश में चुनाव होने वाले हैं, इसलिए आप एक साल का समय दे रहे हैं।

महाराष्ट्र में दूसरे राज्यों से आए ऑटो रिक्शा और टैक्सी ड्राइवरों का राहत: महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को राज्य में काम करने वाले दूसरे राज्यों के आटो रिक्शा और टैक्सी ड्राइवरों के प्रतिनिधियों की मांग पर कहा कि उन्हें काम-काज लायक मराठी सीखने के लिए एक साल का समय दिया जाएगा। एक सप्ताह पहले ही मराठी टेस्ट में असफल हुए ड्राइवरों को नोटिस जारी किए गए थे। फडणवीस ने मीडिया से कहा कि ऐसे ड्राइवरों के खिलाफ एक साल तक कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। भाजपा के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार ने इस साल अप्रैल में घोषणा की थी कि कामांशैयल गाड़ीयों के ड्राइवरों को राज्य की मुख्य भाषा का काम-काज लायक ज्ञान होना चाहिए। समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने इस फैसले की आलोचना की थी।

हाईवे और एक्सप्रेसवे के काम की जांच करेगी थर्ड-पार्टी एजेंसी, सड़क परिवहन मंत्रालय का फैसला



नई दिल्ली, एजेंसी। एक्सप्रेसवे और नेशनल हाइवे प्रोजेक्ट्स में काम की क्वालिटी में सुधार करने और लापरवाही को रोकने के लिए सड़क परिवहन मंत्रालय बड़ा फैसला लिया है। मंत्रालय ने लगभग 5,000 किलोमीटर लंबे एक्सप्रेसवे और हाईवे के निर्माण शुरू होने से लेकर प्रोजेक्ट पूरा होने तक निरीक्षण और जांच के लिए थर्ड पार्टी ऑडिट को अनिवार्य करने का फैसला लिया है। एक अंग्रेजी वेबसाइट से मिली जानकारी के अनुसार, मंत्रालय ने पेट्रोलियम मंत्रालय के तहत आने वाली इंजीनियरिंग कंसल्टेंसी फर्म इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड को चुनने का फैसला किया है। यह एजेंसी मुख्य रूप से देश भर के एक्सप्रेसवे, सिक्स-लेन और फोर-लेन वाले नेशनल हाईवे का ऑडिट करेगी।

स्वतंत्र ऑडिटर्स द्वारा की जाती है गुणवत्ता की जांच: गौरतलब कि वर्तमान में, निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच (थर्ड-पार्टी क्वालिटी ऑडिट)

स्वतंत्र ऑडिटर्स द्वारा की जाती है। इनमें से अधिकांश एनएचएआई और अन्य सरकारी एजेंसियों द्वारा सूचीबद्ध सेवानिवृत्त सरकारी इंजीनियर होते हैं।

5,000 किलोमीटर लंबे सड़क नेटवर्क की जिम्मेदारी: इस एजेंसी को कुल मिलाकर 5,000 किलोमीटर लंबे सड़क नेटवर्क के निरीक्षण की जिम्मेदारी दी जाएगी। इसमें 770 किलोमीटर एक्सप्रेसवे, 2,200 किलोमीटर छह-लेन वाले राजमार्ग, और चार-लेन और दो-लेन वाले नेशनल हाईवे के 1,000-1,000 किलोमीटर के हिस्से शामिल हैं। निर्माण की उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से, इसी साल की शुरुआत में प्रधानमंत्री कार्यालय ने सड़क परिवहन मंत्रालय को स्वतंत्र थर्ड-पार्टी ऑडिट शुरू करने का निर्देश दिया था। योजना के मुताबिक, इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड की भूमिका मुख्य रूप से अनुबंध में तय तकनीकी मानकों और दिशा-निर्देशों के पालन की जांच और निरीक्षण तक ही सीमित रहेगी।

पहले भी थर्ड-पार्टी संभाल चुकी है जिम्मा: इससे पहले भी इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड ऐसी जांच कर चुका है। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में जब देश की पहली सबसे बड़ी राजमार्ग परियोजना स्वर्ण चतुर्भुज का निर्माण हो रहा था, तब श्वेदूर ने ही थर्ड-पार्टी क्वालिटी चेक का जिम्मा संभाला था।

नेपाल बाढ़- महिला के बालों को पकड़कर शव को खींचा, सोने की बालियां चुराई

नेपाल, एजेंसी। नेपाल में विनाशकारी बाढ़ और तबाही के बीच मानवता को शर्मसार कर देने वाली एक घटना सामने आई है। नेपाल में बाढ़ में बही एक मृत महिला के शव से जेवर चोरी करने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस घटना पर से लोगों में भारी गुस्सा है और नेपाल पुलिस ने इस पर तुरंत कार्रवाई की है। इस वायरल वीडियो में कम से कम दो लोग एक महिला के शव को घसीटते हुए दिख रहे हैं, जिसकी मौत विनाशकारी बाढ़ में हुई मानी जा रही है। ये लोग लकड़ी के तख्नों और महिला के बालों को पकड़कर शव को खींचते हैं और फिर उसके दोनों कानों से बालियां निकालकर अलग रख देते हैं। आस-पास कई पुरुष और महिलाएं खड़े दिखाई दे रहे हैं, जिनमें से कुछ लोग इस



घटना को अपने मोबाइल फोन पर रिकॉर्ड कर रहे हैं। इस फुटेज की हर तरफ निंदा हो रही है और सोशल मीडिया यूजर्स मृतकों के साथ हुई इस लूटपाट पर गुस्सा जाहिर कर रहे हैं। नेपाल पुलिस ने झू पर एक पोस्ट में बताया कि मृतका के शव से बालियां चुराने में शामिल लोगों को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस ने वीडियो का

एक हिस्सा भी शेयर किया है। यह घटना नेपाल में पिछले कुछ सालों की सबसे भयानक बाढ़ आपदा के दौरान हुई है। नेपाल और तिब्बत में आई विनाशकारी अचानक बाढ़ में लगभग 400 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि सीमा के दोनों ओर 1,468 लोग अभी भी लापता हैं। इस आपदा में सैकड़ों लोग फंसे हुए हैं।

नेपाल की प्रलयंकारी बाढ़ में अपनों की तलाश, फोन की घंटी बजने के इंतजार में कटी परिजनों की रातें

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल-तिब्बत सीमा पर रसुवा जिले में संदिघ ग्लेशियर फटने से आई प्रलयंकारी बाढ़ ने एक पवित्र यात्रा को भीषण त्रासदी में बदल दिया है। भोटे कोशी और त्रिशुली नदी प्रणालियों में मलबे व पत्थरों के तेज बहाव से मची तबाही इतनी भयंकर थी कि भूकंपीय मॉनिटरों पर भी कुछ पल के लिए हलचल दर्ज की गई। इस भीषण प्राकृतिक आपदा ने न केवल स्थानीय लोगों को, बल्कि सात समंदर पार अमेरिका में बसे भारतीय-अमेरिकी परिवारों को भी असहनीय इंतजार और गहरे संकट में धकेल दिया है।

इस हिमालयी तबाही ने नेपाल में कितना नुकसान पहुंचाया है: नेपाल के राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीआरआरएमए) की छत्री स्टेटस रिपोर्ट के अनुसार, भोटे कोशी बाढ़ के बाद अब तक 389 शव बरामद किए जा चुके हैं और 977 लोग अब भी लापता हैं। लापता लोगों में नेपाली



सेना, पुलिस व आब्रजन विभाग के 105 सुरक्षकर्मियों के साथ 517 विदेशी नागरिक और विदेशों में रहने वाले 127 नेपाली शामिल हैं। इस अचानक आई भीषण बाढ़ की आपदा में 73 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, और परिवहन से लेकर बिजली व संचार के बुनियादी ढांचे को भारी क्षति पहुंची है।

अपनों की तलाश में भटक रहे परिवारों पर क्या गुजर रही है: अमेरिकी

में रह रहे कई भारतीय-अमेरिकी परिवार इस समय गहरे मानसिक आघात और अपनों की खोज में पल-पल तड़प रहे हैं। न्यूयॉर्क के शशिधरन धरन की पत्नी रेखा और 14 वर्षीय बेटी राशि कैलाश मानसरोवर यात्रा पूरी कर बुधवार को नेपाल लौटने वाली थीं, लेकिन तभी यह आपदा आ गई। धरन ने इसे अपने जीवन के सबसे बुरे 48 घंटे बताया है। इसी तरह वर्जीनिया के स्क्रिक्क रंग अपने पिता और डॉ. राधिका शर्मा अपने बुजुर्ग माता-पिता (65 वर्षीय रमेश शर्मा और 64 वर्षीय नीलम शर्मा) की सुरक्षित वापसी के लिए गुहार लगा रही हैं। न्यूयॉर्क में नेपाल के महावाणिज्य दूत दधिराम भंडारी ने बताया कि उन्होंने 25 से अधिक लापता अमेरिकी नागरिकों (जिनमें से अधिकांश भारतीय मूल के हैं) की सूची नेपाल के विदेश मंत्रालय को भेजी है।

राहत और बचाव के लिए जमीनी स्तर पर क्या कदम उठाए जा रहे हैं:

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह के अनुसार स्थिति बेहद चुनौतीपूर्ण है और पूरी सरकारी मशीनरी खोज और बचाव में जुटी है। खोज अभियान में 13,295 सुरक्षाकर्मियों और 15 हेलीकॉप्टरों को लगाया गया है। इनकी मदद से अब तक 1,976 लोगों को सुरक्षित निकाला जा चुका है। नेपाल सरकार ने प्रभावित क्षेत्रों के राहत कार्य के लिए तत्काल 2.5 करोड़ नेपाली रुपये (एनपीआर) भेजे हैं। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने प्रभावित विदेशियों की मदद और समन्वय के लिए एक आपातकालीन नियंत्रण कक्ष (ईसीआर) स्थापित किया है।

लापता भारतीयों की तलाश और सामाजिक संगठनों की क्या भूमिका है: भारतीय विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल के अनुसार, अब तक 84 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित बचाया जा चुका है। इनमें त्रिशूली-1 परियोजना में कार्यरत 63 भारतीय

कर्मचारी और कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए तमिलनाडु के 21 तीर्थयात्री शामिल हैं। इस संकट में जयपुर फुट यूएसए जैसे संगठनों के नेता प्रेम भंडारी ने एक हेल्पलाइन नंबर जारी किया है जो चौबीसों घंटे काम कर रहा है। वहीं, आध्यात्मिक गुरु स्वामी अवधेशानंद गिरि ने न्यूयॉर्क में राहत कार्यों की समीक्षा की और नेपाल को सहायता की पेशकश के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संवेदनशीलता की सराहना की।

आगे की राह और परिवारों की उम्मीदें यह त्रासदी दिखाती हैं कि प्रकृति के रोद्र रूप के सामने मानवीय तंत्र कितने लाचार हो जाते हैं। फिलहाल, भारत, अमेरिका और नेपाल की सरकारें प्रभावितों तक पहुंचने की हरसंभव कोशिश कर रही हैं। मलबे के बीच अपनों को सुरक्षित ढूंढने की यह जंग जारी है, और उनके परिवार इस उम्मीद में फोन थामे बैठे हैं कि जल्द ही ई अच्छे खबर मिलेगी।

पहली विदेश यात्रा पर भारत आएंगे पीएम बालेन शाह, नेपाली वित्त मंत्री का बड़ा एलान

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के वित्त मंत्री स्वर्णिम वाग्ले ने गुरुवार को बताया कि पदभार संभालने के बाद नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह अपनी पहली विदेश यात्रा भारत की करेंगे। हालांकि, वाग्ले ने अभी तारीख नहीं बताई, लेकिन वाग्ले ने संकेत दिया है कि अगर सब कुछ तय कार्यक्रम के मुताबिक रहा तो शाह इस साल के अंत से पहले भारत आ सकते हैं। काठमांडू में आयोजित एक टीवी चैनल के कार्यक्रम में बोलते हुए वाग्ले ने कहा कि यात्रा की तारीखों पर फिलहाल विचार चल रहा है, लेकिन गंतव्य को लेकर कोई संशय नहीं है और सरकार को उम्मीद है कि यह दौरा इसी साल के अंत से पहले होगा। इस दौरान दौरान स्वर्णिम वाग्ले ने नेपाल की अर्थव्यवस्था को 100 अरब डॉलर तक ले जाने के लक्ष्य, भारतीय और नेपाली रुपये की विनिमय दर, हालिया बाढ़ राहत कार्यों और प्रधानमंत्री बालेन शाह की कार्यशैली पर भी विस्तार से चर्चा की। वाग्ले ने कहा, पदभार ग्रहण करने के बाद बालेन का पूरा ध्यान घरेलू मुद्दों पर ही केन्द्रित था। हमारे शुरुआती 100 दिन 100 सूत्री एजेंडे पर केन्द्रित रहे, जिसमें हमने खुद को 87.2 प्रतिशत अंक दिए हैं। उन्होंने आगे कहा, इसके बाद हमने प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं पर चर्चा शुरू की। मुझे पूरा विश्वास है कि उनकी पहली विदेश यात्रा भारत की ही होगी। हालांकि, तारीखों पर अभी फैसला होना बाकी है, लेकिन मुझे उम्मीद है कि यह दौरा इसी साल के अंत से पहले होगा। भारत ने बताया महत्वपूर्ण कार्यक्रम में मौजूद भारत की सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद रविशंकर प्रसाद ने इस घोषणा को बेहद महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, नेपाल और भारत के संबंधों की नींव इतनी मजबूत है कि इन्हें पासपोर्ट या सीमाओं में नहीं बांधा जा सकता।

कोठी में गुंजा युवा जोश, BJYM जिलाध्यक्ष यश यादव का हुआ भव्य स्वागत
बस स्टैंड और रोयनी मोड़ पर कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से किया अभिनंदन, संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का संकल्प

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। भारतीय जनता युवा मोर्चा (BJYM) सतना के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष एडवोकेट यश यादव के प्रथम कोठी नगर आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं और युवा साथियों ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया उनके आगमन को लेकर युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। जगह-जगह कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से उनका अभिनंदन किया और नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं दीं कोठी बस स्टैंड पर दुर्गेश त्रिपाठी ‘शीरू’, अंकित सिंह एवं ज्ञानू विश्वकर्मा के नेतृत्व में यश यादव का अजगर माला पहनाकर स्वागत किया गया इस दौरान दुर्गेश त्रिपाठी ने उन्हें राम दरबार की प्रतिमा भेंट कर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता मौजूद रहे वहीं रोयनी मोड़ पर प्रकाश गर्ग के नेतृत्व में नवनियुक्त जिलाध्यक्ष का जोरदार स्वागत किया गया। यहां साफा बांधकर उनका



अभिनंदन किया गया प्रकाश गर्ग ने यश यादव को तलवार भेंट की स्वागत कार्यक्रम के दौरान युवाओं का उत्साह देखते ही बना।

युवाओं में दिखा जबरदस्त उत्साह: यश यादव के जिलाध्यक्ष बनने के बाद प्रथम कोठी आगमन को लेकर युवा कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह नजर आया कार्यकर्ताओं ने कहा कि युवा नेतृत्व को जिम्मेदारी मिलने से संगठन में नई ऊर्जा का संचार होगा। युवाओं को संगठन से जोड़कर जमीनी स्तर पर संगठन को और मजबूत करने की दिशा में काम किया जाएगा कार्यकर्ताओं ने एकजुटता का संदेश देते हुए संगठन को मजबूत

करने के लिए नवनियुक्त जिलाध्यक्ष के साथ मिलकर काम करने का संकल्प व्यक्त किया। **बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करना प्राथमिकता:** नवनियुक्त जिलाध्यक्ष एडवोकेट यश यादव ने स्वागत के लिए सभी कार्यकर्ताओं, युवाओं और आयोजकों का आभार जताया उन्होंने कहा कि पार्टी ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है उसका पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे युवाओं को संगठन से जोड़ना, बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना और कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकताओं में रहेगा।

बाढ़ प्रभावित गांवों में पहुंचे कांग्रेस नेता रमेश पटेल, सर्वे से वंचित परिवारों को जल्द मुआवजा देने की मांग

चांद, कुरैली, सकरगैला और देऊखर में घर-घर पहुंचकर लिया नुकसान का जायजा, फसल बर्बादी से भी प्रशासन को कराया अवगत



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष रमेश पटेल ने सिरमौर विधानसभा क्षेत्र के बाढ़ एवं अतिवृष्टि प्रभावित गांवों का दौरा कर प्रभावित परिवारों से मुलाकात की उन्होंने ग्राम

चांद, कुरैली, सकरगैला और देऊखर में घर-घर पहुंचकर बारिश और बाढ़ से हुए नुकसान की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान ग्रामीणों ने उन्हें मकानों के क्षतिग्रस्त होने, घर गिरने और फसलों के नष्ट होने की जानकारी दी ग्राम चांद की

यादव बस्ती में सुखदेव यादव, लवकुश यादव, प्रेमवती यादव, कुष्णपाल यादव, राखी यादव, सुनीता यादव, नथुनी यादव और केसरी यादव सहित कई प्रभावित परिवारों से रमेश पटेल ने मुलाकात की इसी तरह कुरैली में शंखू आदिवासी, डब्यू कोल और रामेश्वर आदिवासी समेत अन्य ग्रामीणों से उन्होंने नुकसान की जानकारी ली। चांद के अन्य प्रभावित परिवारों में मुंशी प्रसाद द्विवेदी, कामता प्रसाद द्विवेदी, प्रेमलाल यादव, सत्यनारायण जायसवाल, शिवराज सिंह, हेतलाल यादव और छकोड़ी प्रसाद कोरी से भी उन्होंने चर्चा की सकरगैला में छोटेलाल कोल, बृजमोहन कोल, नंदलाल कोल, लल्लू कोल, बुद्धीलाल कोल, राजेश

कोल, अरुण कोल और रामबहोर कोल सहित प्रभावित लोगों से पटेल ने मुलाकात की देऊखर प्लॉट क्षेत्र में भी प्रभावित परिवारों की स्थिति देखी गई ग्रामीणों ने बताया कि कई परिवारों के मकान पूरी तरह गिर गए हैं, जबकि कुछ घरों की आंशिक नुकसान हुआ है। अतिवृष्टि और बाढ़ के कारण किसानों की फसलें भी प्रभावित हुई हैं रमेश पटेल ने कहा कि ग्राम चांद के एक टोले में नुकसान का सर्वे किया गया है, लेकिन चांद के दूसरे टोले के साथ कुरैली, देऊखर प्लॉट और सकरगैला में अभी तक सर्वे नहीं हुआ है उन्होंने शासन और प्रशासन से मांग की कि जिन क्षेत्रों में सर्वे नहीं हुआ है वहां तत्काल सर्वे कराया जाए और

पात्र प्रभावित परिवारों को शीघ्र मुआवजा एवं राहत राशि उपलब्ध कराई जाए।

दौर के दौरान पटेल ने मरवा, अंतरेला, पटेहरा, इटमा और रौली में भी जनसंपर्क किया रौली में मोतीलाल तिवारी के निधन पर उनके निवास पहुंचकर परिजनों से मुलाकात की और शोक संवेदना व्यक्त की वहीं तराई अंचल के वरिष्ठ समाजसेवी एवं स्वतंत्रता सेनानी जवाहर सिंह भितरी की तेरहवीं में शामिल होकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान एडवोकेट बृजेंद्र सिंह, मंडल अध्यक्ष अवध नारायण साहू, शंकर यादव, सुनील तिवारी, रमेश आदिवासी, अजय आदिवासी और छोटू आदिवासी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सुदर्शन पब्लिक स्कूल में रक्षाबंधन पर राखी बनाओ और मेहंदी प्रतियोगिता, विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

छात्र-छात्राओं ने आकर्षक राखियां और मेहंदी डिजाइन बनाकर दिखाई रचनात्मकता, संचालक ने किया उत्साहवर्धन



मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर सुदर्शन पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल में विद्यार्थियों के लिए ‘राखी बनाओ एवं मेहंदी लगाओ प्रतियोगिता’ का आयोजन उत्साह और हर्षोल्लास के साथ किया गया प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी रचनात्मकता एवं कला-कौशल का प्रदर्शन किया कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न रंगों और सजावटी

सामग्री का उपयोग कर आकर्षक एवं सुंदर राखियां तैयार कीं वहीं, मेहंदी प्रतियोगिता में छात्राओं ने हाथों पर अलग-अलग डिजाइनों की मेहंदी लगाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों में खासा उत्साह और उमंग देखने को मिली।

छात्र-छात्राओं ने अपनी कल्पनाशक्ति का उपयोग करते हुए पारंपरिक राखियों के साथ नए और आकर्षक डिजाइन तैयार किए मेहंदी के विभिन्न डिजाइनों ने भी कार्यक्रम

को रंगीन और उत्सवमय बना दिया विद्यालय परिसर में पूरे आयोजन के दौरान रक्षाबंधन पर्व की झलक देखने को मिली।

रचनात्मक गतिविधियों से विकसित होती हैं प्रतिभाएं: विद्यालय के संचालक राजकुमार कुशवाहा ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां बच्चों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास और कला-कौशल विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के अवसर भी मिलना चाहिए उन्होंने कहा कि राखी और मेहंदी जैसी गतिविधियां विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का भी माध्यम हैं इस तरह के आयोजनों से बच्चों में अपनी सांस्कृतिक विरासत के प्रति रुचि और सम्मान की भावना विकसित होती है।

को रंगीन और उत्सवमय बना दिया विद्यालय परिसर में पूरे आयोजन के दौरान रक्षाबंधन पर्व की झलक देखने को मिली।

रचनात्मक गतिविधियों से विकसित होती हैं प्रतिभाएं: विद्यालय के संचालक राजकुमार कुशवाहा ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां बच्चों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास और कला-कौशल विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के अवसर भी मिलना चाहिए उन्होंने कहा कि राखी और मेहंदी जैसी गतिविधियां विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का भी माध्यम हैं इस तरह के आयोजनों से बच्चों में अपनी सांस्कृतिक विरासत के प्रति रुचि और सम्मान की भावना विकसित होती है।



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। असम और गुजरात के बाद मध्यप्रदेश के रीवा में आई बाढ़ त्रासदी के बीच आमजन को रहत सहायता पहुंचा रही है रहत कार्य काँग्रेस सेवादल की टीम मैदान में उतर गई है अखिल भारतीय काँग्रेस सेवादल के राष्ट्रीय अध्यक्ष निवास बीबी के नेतृत्व में एसओएस सेवादल के माध्यम से रहत कार्य

चलाया जा रहा है सेवादल की टीम पिछले तीन दिनों से रीवा में डेरा डाले हुए हैं और बाढ़ प्रभावित इलाकों में जरूरतमंद परिवारों तक सहायता पहुंचा रही है रहत कार्य की जिम्मेदारी मध्यप्रदेश महिला काँग्रेस सेवादल की टीम भी संभाल रही है प्रदेश अध्यक्ष संगीता कांकरिया के नेतृत्व में महिला सेवादल की कार्यकर्ता लगातार

शहर के अलग-अलग मोहल्लों में पहुंचकर प्रभावित परिवारों की जरूरतों की जानकारी ले रही हैं और उन्हें आवश्यक सामग्री उपलब्ध करा रही हैं टीम में महिला काँग्रेस सेवादल प्रदेश महासचिव वसुधा सिंह, प्रदेश महासचिव कविता पांडेय, वसुधाचार्य, तारा त्रिपाठी, रचना सिंह, प्रियंका सिंह सहित अन्य महिलाएं शामिल हैं।

सूखा राशन और जरूरी सामग्री का वितरण: महिला सेवादल प्रदेश अध्यक्ष संगीता कांकरिया ने बताया कि रहत कार्य के तहत प्रभावित परिवारों को आटा, दाल, चावल, तेल और मसाले सहित अन्य आवश्यक खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है इसके अलावा बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए

शहर के अलग-अलग मोहल्लों में पहुंचकर प्रभावित परिवारों की जरूरतों की जानकारी ले रही हैं और उन्हें आवश्यक सामग्री उपलब्ध करा रही हैं टीम में महिला काँग्रेस सेवादल प्रदेश महासचिव वसुधा सिंह, प्रदेश महासचिव कविता पांडेय, वसुधाचार्य, तारा त्रिपाठी, रचना सिंह, प्रियंका सिंह सहित अन्य महिलाएं शामिल हैं।

सूखा राशन और जरूरी सामग्री का वितरण: महिला सेवादल प्रदेश अध्यक्ष संगीता कांकरिया ने बताया कि रहत कार्य के तहत प्रभावित परिवारों को आटा, दाल, चावल, तेल और मसाले सहित अन्य आवश्यक खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है इसके अलावा बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए

शहर के अलग-अलग मोहल्लों में पहुंचकर प्रभावित परिवारों की जरूरतों की जानकारी ले रही हैं और उन्हें आवश्यक सामग्री उपलब्ध करा रही हैं टीम में महिला काँग्रेस सेवादल प्रदेश महासचिव वसुधा सिंह, प्रदेश महासचिव कविता पांडेय, वसुधाचार्य, तारा त्रिपाठी, रचना सिंह, प्रियंका सिंह सहित अन्य महिलाएं शामिल हैं।

सूखा राशन और जरूरी सामग्री का वितरण: महिला सेवादल प्रदेश अध्यक्ष संगीता कांकरिया ने बताया कि रहत कार्य के तहत प्रभावित परिवारों को आटा, दाल, चावल, तेल और मसाले सहित अन्य आवश्यक खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है इसके अलावा बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए

शहर के अलग-अलग मोहल्लों में पहुंचकर प्रभावित परिवारों की जरूरतों की जानकारी ले रही हैं और उन्हें आवश्यक सामग्री उपलब्ध करा रही हैं टीम में महिला काँग्रेस सेवादल प्रदेश महासचिव वसुधा सिंह, प्रदेश महासचिव कविता पांडेय, वसुधाचार्य, तारा त्रिपाठी, रचना सिंह, प्रियंका सिंह सहित अन्य महिलाएं शामिल हैं।

शहर के अलग-अलग मोहल्लों में पहुंचकर प्रभावित परिवारों की जरूरतों की जानकारी ले रही हैं और उन्हें आवश्यक सामग्री उपलब्ध करा रही हैं टीम में महिला काँग्रेस सेवादल प्रदेश महासचिव वसुधा सिंह, प्रदेश महासचिव कविता पांडेय, वसुधाचार्य, तारा त्रिपाठी, रचना सिंह, प्रियंका सिंह सहित अन्य महिलाएं शामिल हैं।



मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। वर्षा ऋतु के बाद पेयजल स्रोतों को संभावित संक्रमण से सुरक्षित रखने और

ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जल सुरक्षा

एवं जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है कलेक्टर संजय कुमार जैन के निर्देशानुसार अभियान को जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में तेज किया गया है। इसके तहत नईगढ़ी और हनुमना विकासखंडों में विभागीय टीमों द्वारा सार्वजनिक हैंडपंपों एवं अन्य पेयजल स्रोतों का निरीक्षण, क्लोरीनेशन और आवश्यक सुधार कार्य किए जा रहे हैं अभियान के दौरान विभागीय अमला सार्वजनिक हैंडपंपों और पेयजल स्रोतों में निर्धारित मात्रा में ‘जर्मेक्स’ दवा का रासायनिक उपचार कर रहा है इसके साथ ही पेयजल स्रोतों के आसपास की स्वच्छता, जल

निकासी की व्यवस्था तथा स्रोतों को दूषित होने से बचाने के उपायों का भी मौके पर निरीक्षण किया जा रहा है।

खराब हैंडपंपों की मरम्मत पर भी जोर: जल सुरक्षा अभियान के अंतर्गत ऐसे हैंडपंपों को चिन्हित किया जा रहा है जिनमें खराबी अथवा सुधार की आवश्यकता है। विभागीय टीम द्वारा आवश्यकतानुसार हैंडपंपों की मरम्मत और सुधार की कार्यवाई की जा रही है ताकि ग्रामीणों को पेयजल के लिए परेशान न होना पड़े और सुरक्षित जल की उपलब्धता बनी रहे।

ग्रामीणों को सुरक्षित पानी

के उपयोग की समझाइश: अभियान के दौरान ग्रामीणों को जलजनित संक्रमण से बचाव के लिए जरूरी सावधानियों की जानकारी भी दी जा रही है विभागीय अमले ने नागरिकों से अपील की है कि पीने के लिए केवल चिन्हित एवं उपचारित जल स्रोतों के पानी का ही उपयोग करें पेयजल को उपयोग से पहले 10 से 15 मिनट तक उबालकर, छानकर और ठंडा करने के बाद सेवन करने की सलाह दी जा रही है ग्रामीणों को यह भी बताया जा रहा है कि जल स्रोतों को प्रदूषण से बचाने के लिए उनके आसपास कपड़े धोने, नहाने तथा मवेशियों को नहलाने से बचें

पेयजल स्रोतों के आसपास साफ-सफाई बनाए रखना भी आवश्यक है।

पानी के रंग, स्वाद या गंध में बदलाव पर सतर्क रहने की अपील: विभागीय अधिकारियों ने ग्रामीणों को सलाह दी है कि यदि पानी के स्वाद, रंग अथवा गंध में किसी प्रकार का असामान्य परिवर्तन दिखाई दे तो उसका सेवन न करें और तत्काल विभागीय टीम को इसकी सूचना दें इससे संभावित दूषित जल के उपयोग को रोकने में मदद मिलेगी इसके अलावा घरों में पेयजल के सुरक्षित भंडारण के लिए साफ-सुथरे और ढक्कनदार बर्तनों का उपयोग करने की सलाह दी जा रही है ।

नसान की शक्ल में भेडिया

मैं कहता हूँ कि देश पर ध्यान देवो वरना रसातल में जाने में देर नहीं लगेगी। हो यह रहा है कि रियासतों पर अलग-अलग पार्टियां सत्तारूढ़ हैं और केंद्र में अनेक पार्टियां मिलकर शासन कर रही हैं। इससे तालमेल नहीं बन पा रहा और अराजकता की सी स्थिति बन गई है पूरे मुल्क में। प्रधानमंत्री जी को ध्यान देना चाहिए और हो सकता है वे ध्यान दे भी रहे हों और मेरा ध्यान उस तरफ नहीं गया हो, फिर भी लग ऐसा ही रहा है कि पड़ोसी देशों से भाईचारे की बात में ज्यादा उत्स्रे हुए हैं और देश में आपसी सौहार्द नहीं बन पा रहा, जिसका खामियाजा पूरे देश

को भुगतना पड़ रहा है। इमरजेंसी को छोड़कर कुछ ऐसा किया जाए कि लोकतंत्र का मलबज मनमानी न हो व सभी को ठीक से समझाया जा सके। सारे के सारे हम्मा में ही नगे नहीं हैं, अपितु वे सार्वजनिक रूप से निर्वसन खड़े हैं। नगे आदमी का कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता, लेकिन यदि कानून का राज कायम हो जाए तो उसे कपड़े पहनने को विवश किया जा सकता है। सभी पार्टियां एक-दूसरे पर गुरां रही हैं तथा कानून को धता बताकर मनमानी पर उतर आई हैं।

सत्ता का विकेंद्रीकरण इस कदर हो गया है कि हर

कोई तुरंम खां बनकर लोकतंत्र को मजाक बना बैठा है। मेरा हाल ही देख लो, दफ्तर जाने का समय दस बजे का है, लेकिन आराम से शेव करता हूँ, नाश्ता करता हूँ और व्यर्थ की बातों में समय जाया कर घर में बना

रह कर बारह बजे तक पहुंच पाता हूँ अपने कार्यालय में। जाने के बाद मिजाज और बदल जाता है। कोई आता है तो टाटू मिक्सचर पिलाकर टरकाने की कला को काम में लेता हूँ।

कागज उसी को हाथ लगाता हूँ जिस पर वजन रखा होता है। वेतन से बनता क्या है? ऊपर की कमाई करके घर को सुविधा-सम्पन्न बनाकर आराम से रहना चाहता हूँ। मक्कारी और सीनाजोरी का अद्भुत

तालमेल बैठा रखा है। अफसर क्या कम है, वह भी कहता है कि बहती गंगा में हाथ धो लो, व्यवस्था और देश पर ध्यान दिया तो हमारा जीवन चौपट हो जाएगा। इसलिए इस मिलीभगत की कुश्ती में कोई

नुकसान में नहीं है। नुकसान में है तो वह प्यारा वतन है जिसकी परवाह करना मैंने ही नहीं, सबने छोड़ दिया है। हमारे आदर्श हमारे राजनेता हैं, जो हमारे प्रेरणास्रोत बने हुए हैं। वे करोड़ों पर हाथ साफ करेंगे तो हमारे वश में क्या हजारों-लाखों नहीं आएंयें क्या? मैं दफ्तर जाकर अहसान करता हूँ। दफ्तर का वेतन मेरी मुँछ फड़काई है। बाकी के लिए मैंने अपने हाथों में उस्तरा ले रखा है जिससे आने वालों का सिर मूड़ता रहता हूँ। हालाँकि मैं नाचीज हूँ, लेकिन मैंने अपना जिगर इतना बड़ा कर लिया है कि पूरी निर्भीकता से

अपने कार्य को अंजाम देता हूँ। मैंने सुना है कि गरीब और गरीब होता जा रहा है और अमीर, अमीर से भी ऊपर जा रहा है। शायद यह सही है। क्योंकि कानून का भय हर किसी के दिल से निकल गया है और सबने अपनी सल्तनत कायम कर ली है। मैंने अपने उदाहरण से बात का मर्म समझाया ही इसलिए है कि कोई कर ले मेरा बाल भी बांका। लूट-खसोट, मारथाड़, भ्रष्टाचार और अनाचार का नंगा नाच हो रहा है तथा कानून और व्यवस्था लाचार खड़ी कुछ नहीं कर पा रही है।

राखी के धागों में बुनी प्रार्थनाएँ

डॉ. सत्यवान सौरभ

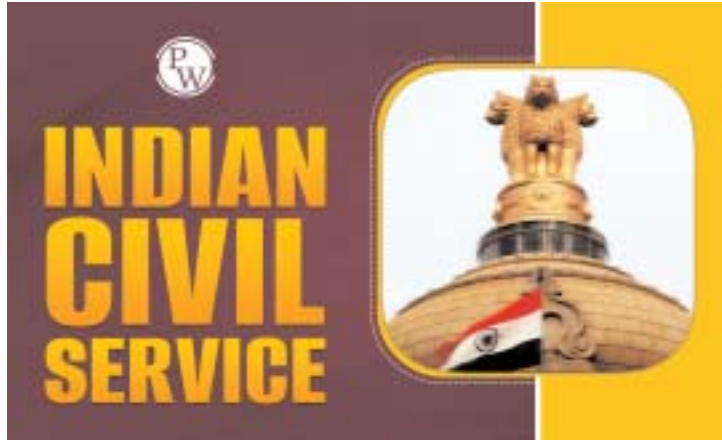
रक्षाबंधन सिर्फ भाई की कलाई पर राखी बांधने और उसे मिठाई खिलाने का दिन नहीं है बल्कि यह भाई-बहनों के बीच प्यार, विश्वास, यादों और आजीवन मित्रता का दिन है। राखी सिर्फ एक धागा है जिसके भीतर बचपन से लेकर वर्तमान प्रेम और बेहतर भविष्य की आशाओं तक कई भावनाएं समाई होती हैं। बहन द्वारा राखी बांधना सिर्फ सुरक्षा की प्रार्थना ही नहीं है बल्कि उनके बंधन का प्रतीक भी है। वह मौन रूप से भाई की खुशी, कुशल मंगल, स्वास्थ्य और सफलता के लिए प्रार्थना कर रही होती है। बदले में, भाई जीवन के विभिन्न पड़ावों पर अपनी बहन का सहारा बनने का कर्तव्य निभाता है। भाई-बहन के रिश्ते में अक्सर शुरुआती दौर में थोड़ी-बहुत नोकझोंक होती है, जो धीरे-धीरे जीवन के सबसे गहरे भावनात्मक बंधनों में से एक बन जाती है। बच्चों के मामले में, रिक्तलैनों, मिठाइयों या किसी भी चीज को लेकर होने वाली छोटी-छोटी नोकझोंक ही अनमोल यादें बन जाती हैं। जैसे-जैसे भाई-बहन बड़े होते हैं, वे अपनी पढ़ाई, नौकरी की तलाश, शादी और परिवार में व्यस्त हो जाते हैं। कुछ दूसरे शहरों या दूसरे देशों में चले जाते हैं। भले ही दोनों के बीच दूरी बढ़ जाए लेकिन भावनात्मक जुड़ाव भी उतना ही गहरा हो जाता है। रक्षाबंधन इसी बंधन को याद रखने और फिर से जीवंत करने का एक जरिया है। आज के बदलते सामाजिक परिवेश में रक्षाबंधन के महत्व को व्यापक परिप्रेक्ष्य में समझना आवश्यक है। परिवार छोटे होते जा रहे हैं और संयुक्त परिवारों की जगह अब मोहल्ले में फैले परिवार ले चुके हैं। भाई-बहन दूर-दूर रहते हैं और सालभर में शायद ही कभी मिल पाते हैं। ऐसे में राखी सिर्फ कलाई तक पहुंचने वाला धागा नहीं है; यह एक भावनात्मक धागा है जो दूरियों को पाटता है। राखी के साथ भावना वही रहती है, चाहे वह छक से मिले या वीडियो कॉल के माध्यम से मनाई जाए- अपने प्रियजन की खुशहाली और सुख-शांति के लिए प्रार्थना। लेकिन बदलाव के साथ, भाई का अपनी बहन के प्रति दायित्व क्या है, इस पर पुनर्विचार करना आवश्यक है। सुखशा का अर्थ केवल आपात स्थिति में उसके साथ खड़े रहना नहीं है। इसमें उसकी गरिमा, स्वतंत्रता, विकल्पों और अधिकारों का सम्मान करना भी शामिल है। यह कहना कि सुरक्षा के लिए बहन की स्वतंत्रता को सीमित करना आवश्यक है, सुरक्षा नहीं, बल्कि नियंत्रण है। एक अच्छा भाई वह होता है जो अपनी बहन की क्षमताओं पर विश्वास करता है, उसे पढ़ाई करने, अपने करियर का ध्यान रखने, अपनी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने और अपने जीवन के बारे में स्वयं निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित करता है। आज की महिलाएं शिक्षा, विज्ञान, प्रशासन, राजनीति आदि क्षेत्रों, सशस्त्र सेवाओं, खेल, व्यवसाय, कला और अन्य सभी क्षेत्रों में अपनी क्षमता साबित कर रही हैं। एक भाई अपनी बहन को इस दुनिया में जो सबसे अच्छी चीज दे सकता है, वह है आत्मविश्वास। उसे यही करना चाहिए, उसका सहारा बनना चाहिए और उसकी उपलब्धियों को उसकी और उसके परिवार की उपलब्धि के रूप में स्वीकार करना चाहिए। राखी बांधना और भाई की दीर्घायु की कामना करना; बहन की जिम्मेदारी यहीं तक सीमित नहीं होनी चाहिए। भाई-बहन का रिश्ता देखभाल, सहयोग और संवेदनशीलता का रिश्ता है। बहन भाई को भावनात्मक सहारा दे सकती है जब वह किसी परेशानी में हो और भाई बहन को सहारा दे सकता है जब वह किसी परेशानी में हो। जीवन की कठिनाइयों में भावनात्मक सहायता कभी-कभी आर्थिक सहायता से कहीं अधिक फायदेमंद साबित होती है। किसी के लिए, 'मैं तुम्हारे साथ हूँ' कहना ही सबसे कठिन समय का सामना करने का साहस देने के लिए काफी होता है। रक्षाबंधन पारिवारिक संवाद के विकास का जायजा लेने का भी अवसर है। तकनीक ने लोगों के बीच की दूरियों को कम कर दिया है लेकिन कई बार इसने एक ही मेज पर बैठे लोगों के बीच भी दूरी पैदा कर दी है। परिवार फोन और सोशल मीडिया के माध्यम से संपर्क में तो रह पाते हैं लेकिन सार्थक बातचीत में ज्यादा समय नहीं व्यतीत होता। त्योहार हमें याद दिलाते हैं कि रिश्ते संदेशों, तस्वीरों और इमोजी से कायम नहीं रह सकते। उन्हें समय, सुनना, समझना और सुख-दुख में साथ देना चाहिए। राखी का धागा उन लोगों के लिए विशेष भावनात्मक महत्व रखता है जिन्होंने अपने भाई या बहन को खो दिया है।

अभिषेक शुक्ल

भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था में सिविल सेवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। सिविल सेवा परीक्षा केवल एक प्रतियोगी परीक्षा नहीं बल्कि भविष्य के प्रशासनिक नेतृत्व के चयन की प्रक्रिया है। चयन की यह प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए जो इक्कीसवीं सदी और विकसित भारत की प्रशासनिक आवश्यकताओं के अनुरूप प्रतिभा, क्षमता, विशेषज्ञता और निर्णय-कौशल की पहचान कर सके। स्मृति से क्षमता के मूल्यांकन की ओर

आज एक सिविल सेवक का कार्य केवल नियमों को लागू करना नहीं है। उसे जटिल नीतिगत समस्याओं का विश्लेषण करना है, उपलब्ध आंकड़ों से निष्कर्ष निकालना है, विभिन्न हितधारकों के बीच समन्वय स्थापित करना है, सीमित संसाधनों में प्राथमिकताएं निर्धारित करनी हैं और संकट की परिस्थितियों में त्वरित तथा मूल्यपूर्ण निर्णय लेना है। इन क्षमताओं का मूल्यांकन केवल विस्तृत पाठ्यक्रम को याद करके वर्णनात्मक उत्तर लिखने की क्षमता से नहीं हो सकता। मुख्य परीक्षा की वर्णनात्मक प्रकृति में परीक्षक-भिन्नता की संभावना स्वाभाविक रूप से बनी रहती है। अलग-अलग परीक्षकों द्वारा समान उत्तर की गुणवत्ता की व्याख्या और मूल्यांकन में अंतर हो सकता है। भाषा, प्रस्तुति, लेखन शैली, उदाहरणों के चयन और उत्तर की संरचना जैसे तत्व भी अंक निर्धारण को प्रभावित कर सकते हैं। उच्च स्तरीय चयन प्रक्रिया में इस प्रकार की व्यक्तिपरकता को न्यूनतम करना आवश्यक है। इसका समाधान वर्णनात्मक परीक्षा को पूरी तरह समाप्त करने में नहीं बल्कि उसके स्वरूप को अधिक योग्यता आधारित बनाने में है। लिखित परीक्षा में अभ्यर्थी की समस्या-समझ, तार्किक विश्लेषण, उपलब्ध सूचना के उपयोग, प्राथमिकता निर्धारण, प्रमाण-आधारित निष्कर्ष और व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत करने की क्षमता को अधिक महत्व दिया जाना चाहिए। इक्कीसवीं सदी में सूचना तक पहुंच का स्वरूप पूरी तरह बदल चुका है। इंटरनेट, डिजिटल भंडार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने तथ्यात्मक जानकारी तक पहुंच को पहले की तुलना में अत्यंत

सरल बना दिया है। ऐसी स्थिति में केवल तथ्यों को स्मरण रखने की क्षमता को अत्यधिक महत्व देना चयन प्रक्रिया को उस वास्तविक क्षमता से दूर कर सकता है जिसकी आधुनिक प्रशासन में आवश्यकता है। आधुनिक संज्ञानात्मक विज्ञान और मनोविज्ञान ने मानव की बौद्धिक क्षमताओं के मूल्यांकन के लिए अनेक उपयोगी अवधारणाएं विकसित की हैं। संज्ञानात्मक



लचीलापन, तार्किक विश्लेषण, निर्णय क्षमता, समस्या-समाधान, सीखने की क्षमता और सूचना-प्रसंस्करण जैसी क्षमताओं का वैज्ञानिक परीक्षण सिविल सेवा चयन को अधिक योग्यता-केंद्रित बना सकता है। परीक्षा में वास्तविक प्रशासनिक परिस्थितियों पर आधारित परिस्थितिजन्य परीक्षण का व्यापक उपयोग किया जा सकता है। अभ्यर्थियों के सामने ऐसी परिस्थितियां रखी जा सकती हैं जिनमें सीमित समय, अधूरी सूचना, परस्पर विरोधी हित और अनेक प्रशासनिक विकल्प मौजूद हों। इसके वर्णनात्मक परीक्षा को पूरी तरह समाप्त करने में नहीं बल्कि उसके स्वरूप को अधिक योग्यता आधारित बनाने में है। लिखित परीक्षा में अभ्यर्थी की समस्या-समझ, तार्किक विश्लेषण, उपलब्ध सूचना के उपयोग, प्राथमिकता निर्धारण, प्रमाण-आधारित निष्कर्ष और व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत करने की क्षमता को अधिक महत्व दिया जाना चाहिए। इक्कीसवीं सदी में सूचना तक पहुंच का स्वरूप पूरी तरह बदल चुका है। इंटरनेट, डिजिटल भंडार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने तथ्यात्मक जानकारी तक पहुंच को पहले की तुलना में अत्यंत

परिस्थितिजन्य निर्णय परीक्षण, कार्य-सामग्री परीक्षण और मूल्यांकन-केंद्र आधारित अभ्यास जैसे माध्यमों का उपयोग इसी प्रकार की क्षमताओं के आकलन के लिए किया जाता है। अभ्यर्थी को प्रशासनिक परिस्थितियों के अनुरूप कार्य दिए जाते हैं, जिनमें उपलब्ध सूचनाओं का विश्लेषण,

पहचानने की व्यवस्था विकसित की जाए। फ्रांस का अनुभव इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। वहां पारंपरिक राष्ट्रीय प्रशासन विद्यालय की व्यवस्था में कठोर लिखित और मौखिक चयन के माध्यम से प्रशासनिक प्रतिभाओं की पहचान की जाती थी। बाद में इस व्यवस्था की सामाजिक प्रतिनिधित्व और व्यावहारिकता के संदर्भ में आलोचना हुई। वर्ष 2022 में इसके स्थान पर राष्ट्रीय लोक सेवा संस्थान की स्थापना तथा चयन प्रक्रिया में सामाजिक विविधता, व्यावहारिक अनुभव और क्षेत्रीय कार्य पर बढ़ता जोर यह दर्शाता है कि सिविल सेवा चयन प्रणाली को समय के साथ निरंतर विकसित करना पड़ता है। भारत के लिए इन देशों की नकल करना उचित नहीं होगा। प्रत्येक देश की संवैधानिक व्यवस्था, प्रशासनिक परंपरा और सामाजिक संरचना अलग है। फिर भी इन व्यवस्थाओं से एक महत्वपूर्ण सिद्धांत ग्रहण किया जा सकता है। प्रशासनिक प्रतिभा के चयन में आधुनिक मनोमितीय परीक्षण, योग्यता-मूल्यांकन, परिस्थितिजन्य परीक्षण और पद-विशिष्ट मूल्यांकन का अधिक उपयोग किया जा सकता है। साक्षात्कार से वैज्ञानिक मूल्यांकन तक

सिविल सेवा चयन के साक्षात्कार चरण में भी इसी प्रकार के सुधार की आवश्यकता है। पारंपरिक साक्षात्कार में चयन मंडल की धारणा, अभ्यर्थी की प्रस्तुति और संवाद शैली जैसे कारकों का प्रभाव हो सकता है। इसे अधिक संरचित और योग्यता-आधारित बनाया जा सकता है। नेतृत्व, निर्णय क्षमता, भावनात्मक संतुलन और समस्या-समाधान जैसी क्षमताओं के लिए पहले से निर्धारित व्यवहार-सूचकांक और समान मूल्यांकन मानदंड विकसित किए जा सकते हैं। परिस्थितिजन्य प्रश्नों और व्यवहार-आधारित मूल्यांकन के माध्यम से साक्षात्कार को अधिक प्रमाण-आधारित बनाया जा सकता है। सिविल सेवा परीक्षा सुधार का उद्देश्य केवल परीक्षा को सरल या कठिन बनाना नहीं होना चाहिए। वास्तविक उद्देश्य चयन की वैधता और विश्वसनीयता को बढ़ाना होना चाहिए। जिस योग्यता के लिए किसी अधिकारी का चयन किया जा रहा है, उसी योग्यता का विश्वसनीय और वैध परीक्षण चयन प्रक्रिया का मूल आधार होना चाहिए।

भारत ने अंतरिक्ष, डिजिटल सार्वजनिक आधारभूत संरचना, जैव प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्रों में विश्व स्तर पर अपनी क्षमता प्रदर्शित की है। अब प्रशासनिक प्रतिभा के चयन में भी उसी वैज्ञानिक दृष्टिकोण को अपनाने का समय है।

विकसित भारत को ऐसे प्रशासनिक अधिकारियों की आवश्यकता होगी जो केवल बड़ी मात्रा में जानकारी याद रखने में सक्षम न हों, बल्कि नई जानकारी को तेजी से समझ सकें, बदलती परिस्थितियों में सीख सकें, जटिल समस्याओं का विश्लेषण कर सकें, अनिश्चितता में निर्णय ले सकें और व्यावहारिक समाधान विकसित कर सकें। इसलिए सिविल सेवा परीक्षा में सुधार केवल पाठ्यक्रम में परिवर्तन या परीक्षा-पद्धति में छोटे बदलाव तक सीमित नहीं रहना चाहिए। आवश्यकता एक व्यापक प्रतिमान परिवर्तन की है- स्मृति से संज्ञानात्मक क्षमता की ओर, केवल सामान्यज्ञता से संतुलित विशेषज्ञता की ओर, व्यक्तिपरक मूल्यांकन से अधिक वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन की ओर एवं सैद्धांतिक उत्तरों से वास्तविक समस्या-समाधान की ओर। साल 2047 के विकसित भारत के लिए प्रशासनिक प्रतिभा का चयन भी विकसित दृष्टिकोण से होना चाहिए। औपनिवेशिक युग की प्रशासनिक आवश्यकताओं के लिए निर्मित परीक्षा-दर्शन को इक्कीसवीं सदी की शासन चुनौतियों के अनुरूप पुनर्निभाषित करना समय की आवश्यकता है। सिविल सेवा परीक्षा की सफलता का वास्तविक मापदंड केवल चयनित अभ्यर्थियों की संख्या या परीक्षा की कठिनाई नहीं बल्कि चयन की गुणवत्ता होनी चाहिए। ऐसी चयन प्रणाली विकसित करना आवश्यक है जो ज्ञान के साथ विवेक, स्मृति के साथ विश्लेषण, सामान्य समझ के साथ विशेषज्ञता और अभिव्यक्ति के साथ वास्तविक समस्या-समाधान क्षमता की पहचान कर सके। विकसित भारत के निर्माण में प्रशासनिक सुधार की भूमिका निर्णायक होगी। प्रशासनिक सुधार की शुरुआत उन प्रतिभाओं की पहचान से होती है जिन्हें भविष्य के भारत का नेतृत्व करना है। इसलिए सिविल सेवा परीक्षा में वैज्ञानिकता, वस्तुनिष्ठता और योग्यता-आधारित मूल्यांकन की दिशा में निर्णायक कदम अब समय की मांग है।

नीतिगत निर्णयों में बढ़े युवाओं की भागीदारी



आंदोलन (1920), सविनय अवज्ञा आंदोलन (1930) या भारत छोड़ो आंदोलन (1942) में युवाओं-छात्रों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। लक्ष्य बढ़ा था, लेकिन नेतृत्व गांधीजी के परिपक्व हाथों में था। लक्ष्य प्राप्त कर युवा बिखर गए, अपने भविष्य को संरक्षित करने, पढ़ने-लिखने में जुट गए। वे सत्ता और निर्णयन से दूर हो गए। दूसरा बड़ा छात्र/युवा आंदोलन समाजवादी नेता जयप्रकाश नारायण (जेपी) के नेतृत्व में महंगाई, बेरोजगारी और कुशासन के विरुद्ध बिहार से 1974 में शुरू

हुआ, जिसे संपूर्ण क्रांति कहा गया।

यह कांग्रेस और इंदिरा गांधी के कुशासन, अधिनायकवाद और सविधान विरोधी गतिविधियों के विरुद्ध था, जिसे कुचलने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1975 में आपातकाल लगा कर विप नेताओं को जेलों में डाल दिया, पेंस पर सेंसरशिप लगा दी, तमाम युवाओं की नसबंदी कर समाज में अभूतपूर्व डर का माहौल बना दिया। इस आंदोलन से चंद्रशेखर, कृष्णाकांत, मोहन धारिया, रामधन आदि नेता निकले। सोहन

आंदोलन से 1977 में जनता पार्टी सरकार बनी जरूर, पर वैचारिक मतभेद के कारण एकजुट हुई राजनीतिक शक्तियों में बिखराव हो गया और युवा फिर अपनी पढ़ाई की ओर लौट गए। तीसरा युवा-छात्र जन-आंदोलन सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे के नेतृत्व में मं हुआ, जिसमें भ्रष्टाचार रोकने हेतु 'लोकपाल' की मांग की गई थी। यह आंदोलन, भले ही दिल्ली में हुआ, पर इसने देश के युवाओं में एक अभूतपूर्व चेतना भर दी। दुर्भाग्य से अरविंद केजरीवाल आदि नेताओं ने अन्ना हजारे को किनारे कर आम आदमी पार्टी का गठन किया और दिल्ली में 10 वर्षों से अधिक तक सरकार चलाई, जिसने भ्रष्टाचार के नए-नए प्रतिमान बनाए। युवा फिर ठगे गए। इन तीनों आंदोलनों में नेतृत्व गांधी, जेपी और अन्ना हजारे के हाथों में था, जिनमें सक्रिय राजनीति में आने की कोई महत्वाकांक्षा नहीं थी। काकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का तथाकथित जेन-जी आंदोलन विदेश से अचानक प्रकट हुए अभिजित दीपक द्वारा इंटरनेट मीडिया के माध्यम से चलाया गया। जेन-जी के नाम पर हुआ आंदोलन आंबेडकरजी के विचारों को खिलाफ था, जिन्होंने 25 नवंबर 1949 को

सविधान सभा में अपने अंतिम भाषण में कहा था, 'अब हमें क्रांति के हिंसक तरीकों को तिलांजलि दे देना चाहिए। हमें सविनय अवज्ञा, असहयोग और सत्याग्रह जैसे असंवैधानिक तरीकों को भी त्याग देना चाहिए।...जब समस्याओं के समाधान हेतु संवैधानिक मार्ग उपलब्ध न थे, तब ऐसे असंवैधानिक तौर-तरीकों को अपील किया, लेकिन जब संवैधानिक तरीके उपलब्ध हों, तो ऐसे असंवैधानिक तरीकों का कोई औचित्य नहीं।' आंबेडकर की सलाह के विरुद्ध विपक्ष ने राजनीतिक लाभ हेतु ऐसे ही आंदोलन का समर्थन किया। अनेक भोले-भाले छात्र-छात्राएं सीजेपी और विपक्ष के शिकार हुए। वास्तव में युवाओं का आक्रोश भ्रष्टाचार के नए-नए प्रतिमान बनाए। युवा फिर ठगे गए। इन तीनों आंदोलनों में नेतृत्व गांधी, जेपी और अन्ना हजारे के हाथों में था, जिनमें सक्रिय राजनीति में आने की कोई महत्वाकांक्षा नहीं थी। काकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का तथाकथित जेन-जी आंदोलन विदेश से अचानक प्रकट हुए अभिजित दीपक द्वारा इंटरनेट मीडिया के माध्यम से चलाया गया। जेन-जी के नाम पर हुआ आंदोलन आंबेडकरजी के विचारों को खिलाफ था, जिन्होंने 25 नवंबर 1949 को

आज राजनीतिक दल युवाओं से संवाद कर रहे हैं। यह स्वागतयोग्य है, पर जो दल पहले कहीं सत्तासीन रहे हैं, वे भी कठपंरे में रहेंगे। युवा उनसे भी सवाल पूछेंगे।

आज समय की मांग है कि वे

गलतियां न दोहराई जाएं, जो 1947, 1977 या 2011-12 में हुई। राजनीतिक

दलों को गंभीर चिंतन करना होगा कि

किस प्रकार राष्ट्र के प्रति समर्पित

और विकसित भारत की संकल्पना से

औतप्रोत्त योग्य युवाओं को राजनीति

की ओर आकृष्ट किया जाए। आज का

युवा कल का प्रौढ़ और भविष्य का

वृद्ध है। उसे अपने वर्तमान और भविष्य

हेतु नीतिगत निर्णयन में हिस्सेदारी

मिलनी चाहिए। युवा समाज का

विशाल और शक्तिशाली भाग है।

शक्ति सदैव अपना मार्ग स्वयं ढूंढ़

लेती है। यदि शक्ति को समुचित मार्ग

न मिला, तो वह विध्वंसकारी हो

सकती है, भले ही समाज या देश को

उसकी भारी कीमत क्यों न चुकानी

पड़े। कुछ समय से देश में छात्रों और

युवाओं के प्रदर्शनों की बाढ़ आई हुई

है।

नर्मदापुरम में कांग्रेस नेता के पेट्रोल पंप पर डीजल की माप में गड़बड़ी, नोजल नंबर-2 सील

5 लीटर सेट करने पर जार में कम निकला डीजल, दोबारा जांच में 5.01 और 5.02 लीटर की डिलीवरी; रोजाना नोजल टेस्टिंग नहीं करने की बात सामने आई



मीडिया ऑडिटर, नर्मदापुरम (निप्र)। जिले में पेट्रोल पंपों पर माप और गुणवत्ता की जांच के लिए चलाए जा रहे अभियान के दौरान कांग्रेस के व्यापार एवं उद्योग प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष रामबाबू अग्रवाल के पेट्रोल पंप पर डीजल की माप में गड़बड़ी सामने आई है। माखननगर

तहसीलदार एवं खाद्य आपूर्ति विभाग की संयुक्त टीम ने जांच के दौरान डीजल डिस्पेंसिंग यूनिट के नोजल नंबर-2 में माप संबंधी अनियमितता पाए जाने के बाद उसे मौके पर सील कर दिया। यह कार्रवाई कलेक्टर नर्मदापुरम सोमेश मिश्रा के निर्देश पर जिले में चलाए जा रहे पेट्रोल पंपों के सघन जांच

अभियान के तहत की गई बम्हौरी कला स्थित जयंती पेट्रोल पंप पर पेट्रोल-डीजल में पानी की मिलावट की शिकायत के बाद गुरुवार दोपहर तहसीलदार एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट माखननगर और कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी मृगी अग्रवाल की संयुक्त टीम जांच के लिए पहुंची थी।

स्टॉक से लेकर डीजल की माप तक हुई जांच: जांच टीम ने सबसे पहले पेट्रोल पंप के स्टॉक का रिकॉर्ड से मिलान किया। इसके बाद वाटर पेस्ट के माध्यम से पेट्रोल-डीजल में पानी की मौजूदगी की जांच की गई। टीम ने 5 लीटर के कैलिब्रेटेड जार से डीजल की माप की तथा पेट्रोल और डीजल की डेनसिटी भी जांची जांच के दौरान डीजल डिस्पेंसिंग यूनिट का नोजल नंबर-2 बंद मिला। पंप संचालक रामबाबू अग्रवाल ने टीम को बताया कि इस नोजल से 14 अगस्त 2026 से कोई डिलीवरी नहीं की गई है और न ही इसकी टेस्टिंग हुई है। हालांकि नियमों के मुताबिक पेट्रोल पंप संचालक के लिए सभी नोजलों की नियमित रूप से टेस्टिंग करना आवश्यक है।

5 लीटर सेट करने पर कम मिला डीजल: जांच टीम को डीएसएसआर रजिस्टर में

भी जानकारी अधूरी मिली। इसके बाद नोजल नंबर-2 की माप की दोबारा जांच की गई। टीम ने मशीन में 5 लीटर डीजल की मात्रा सेट कर कैलिब्रेटेड जार में डीजल भरवाया। पहली जांच में मशीन पर 5 लीटर सेट होने के बावजूद जार में 5 लीटर से कम डीजल निकला। इसके बाद टीम ने माप की प्रक्रिया दोबारा दोहराई। दूसरी जांच में क्रमशः 5.01 लीटर और 5.02 लीटर डीजल की डिलीवरी दर्ज की गई। माप में अंतर सामने आने के बाद प्रशासन ने नोजल को सील करने की कार्रवाई की।

नोजल किया गया सील: माप संबंधी गड़बड़ी पाए जाने पर तहसीलदार एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट माखननगर ने डीजल डिस्पेंसिंग यूनिट के नोजल नंबर-2 को मौके पर सील कर दिया। प्रशासन द्वारा मामले में आगे की कार्रवाई नियमानुसार की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट

किया है कि पेट्रोल पंपों पर ईंधन की गुणवत्ता और सही माप को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उपभोक्ताओं के हितों को ध्यान में रखते हुए जिले में पेट्रोल पंपों की जांच का अभियान आगे भी जारी रहेगा। जांच के दौरान सामने आने वाली अनियमितताओं पर संबंधित नियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी।



पीडिया ऑडिटर, नर्मदापुरम (निप्र)। शहर के व्यस्त इंदिरा चौक पर गुरुवार देर रात एक रेडीमेड कपड़ों की दुकान में अचानक आग लग गई। घटना रात करीब 12 बजे की बताई जा रही है। उस समय दुकान बंद थी। शटर के नीचे से धुआं और लपटें निकलते देख आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल पुलिस और फायर ब्रिगेड को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल वाहन मौके पर पहुंचा और कर्मचारियों ने आग बुझाने की कार्रवाई शुरू की। कुछ ही देर की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। तब तक दुकान के अंदर रखा काफी मात्रा में रेडीमेड कपड़ा और अन्य सामान जलकर खराब हो चुका था। आग समय रहते बुझ जाने के कारण आसपास की दुकानों तक इसकी लपटें नहीं पहुंचीं और एक बड़ा हादसा टल गया।

देखकर लोगों को आग लगने की जानकारी हुई। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और बाजार में कुछ समय के लिए अफम-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने तत्काल कोतवाली पुलिस और फायर ब्रिगेड को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल वाहन मौके पर पहुंचा और कर्मचारियों ने आग बुझाने की कार्रवाई शुरू की। कुछ ही देर की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। तब तक दुकान के अंदर रखा काफी मात्रा में रेडीमेड कपड़ा और अन्य सामान जलकर खराब हो चुका था। आग समय रहते बुझ जाने के कारण आसपास की दुकानों तक इसकी लपटें नहीं पहुंचीं और एक बड़ा हादसा टल गया।

दो माह से राशन नहीं मिला तो खाली थाली-कटोरी लेकर दुकान पहुंचा ग्रामीण, शिवपुरी में मौन प्रदर्शन

रक्षाबंधन पर राशन नहीं मिलने से जताई नाराजगी, सेल्समैन ने बारिश को बताया वितरण में देरी की वजह



मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के मढ़वासा गांव में दो माह से राशन नहीं मिलने से नाराज एक ग्रामीण ने अनोखे तरीके से विरोध जताया। पुखराज सिंह नाम का ग्रामीण रक्षाबंधन के अवसर पर खाली थाली और कटोरी लेकर राशन की दुकान पहुंचा और करीब पांच मिनट तक मौन रहकर अपना विरोध दर्ज कराया। ग्रामीण का कहना है कि राशन नहीं मिलने के कारण उसका

परिवार त्योहार भी ठीक से नहीं मना सका। पुखराज सिंह के मुताबिक, गांव में अगस्त और सितंबर माह का राशन अभी तक वितरित नहीं किया गया है। राशन वितरण में देरी के चलते मढ़वासा सहित आसपास के कई ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि गरीब परिवारों के लिए सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत मिलने वाला राशन बेहद महत्वपूर्ण है। ऐसे

में समय पर राशन नहीं मिलने से परिवारों के सामने भोजन की समस्या खड़ी हो जाती है। रक्षाबंधन के दिन खाली बर्तन लेकर राशन दुकान पहुंचने वाले पुखराज सिंह ने कहा कि उनका विरोध प्रशासन और जनप्रतिनिधियों का ध्यान ग्रामीणों की समस्या की ओर आकर्षित करने के लिए है। उन्होंने राशन वितरण व्यवस्था में सुधार की मांग की साथ ही राशन वितरण में अनियमितता और भ्रष्टाचार की शिकायतों की जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की मांग भी उठाई। ग्रामीण ने करीब पांच मिनट तक मौन रहकर प्रशासन को समस्या का समाधान करने का संदेश दिया। उन्होंने उम्मीद जताई कि उनकी आवाज प्रशासन तक पहुंचेगी और गांव के लोगों को जल्द राशन उपलब्ध कराया जाएगा।

सेल्समैन ने बारिश को

बताया वजह: मामले में राशन दुकान के सेल्समैन सोनपाल यादव का कहना है कि राशन वितरण में देरी की वजह लगातार हो रही बारिश है। उन्होंने बताया कि राशन दुकान से कई अन्य गांव भी जुड़े हुए हैं और वहां भी राशन वितरण का काम किया जा रहा है। बारिश के कारण वितरण व्यवस्था प्रभावित हुई, जिससे मढ़वासा गांव में भी राशन पहुंचाने में विलंब हुआ। सेल्समैन ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि अगले एक-दो दिन में मढ़वासा के लोगों को राशन वितरित कर दिया जाएगा। अब ग्रामीणों को राशन वितरण शुरू होने का इंतजार है। वहीं, दो माह से राशन नहीं मिलने की शिकायत ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली की व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रशासन द्वारा मामले की जांच और राशन वितरण की स्थिति स्पष्ट किए जाने की जरूरत है।

बिलासपुर एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान विमान का टायर फटा, 35 यात्री सुरक्षित

दिल्ली से पहुंची अलायंस एयर की फ्लाइट में हादसा, प्रयागराज जाने वाली उड़ान रह; पायलट ने संभाली स्थिति

मीडिया ऑडिटर, बिलासपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर एयरपोर्ट पर शुक्रवार दोपहर दिल्ली से पहुंची अलायंस एयर की फ्लाइट लैंडिंग के दौरान हादसे का शिकार हो गई। स्वे पर विमान के उतरने के बाद उसका एक टायर फट गया। टायर फटने की आवाज सुनकर विमान में सवार यात्रियों में कुछ समय के लिए दहशत का माहौल बन गया। हालांकि, पायलट ने स्थिति को संभालते हुए विमान को सुरक्षित रोक लिया। विमान में कुल 35 यात्री सवार थे। हादसे के बाद सभी यात्रियों को सुरक्षित विमान से बाहर निकाल लिया गया। किसी यात्री के घायल होने की सूचना नहीं

है। विमान के स्वे पर रूकते ही एयरपोर्ट स्टाफ सक्रिय हो गया और यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू की गई। **प्रयागराज जाने वाली फ्लाइट हुई कैंसिल:** दिल्ली से बिलासपुर पहुंचने वाली इसी फ्लाइट को आगे प्रयागराज के लिए रवाना होना था। विमान के टायर में खराबी आने के बाद प्रयागराज जाने वाली उड़ान को रद्द कर दिया गया। हालांकि फ्लाइट कैंसिल होने को लेकर एयरपोर्ट प्रबंधन की ओर से फ्लिहाल अधिकारिक जानकारी जारी नहीं की गई है। प्रत्यक्ष जानकारी के अनुसार, विमान की लैंडिंग सामान्य रूप से हुई

थी। स्वे पर विमान के आगे बहने के दौरान अचानक टायर फटने की आवाज आई। इसके बाद यात्रियों में घबराहट फैल गई। लेकिन पायलट ने सूझबूझ से विमान को नियंत्रित कर सुरक्षित रोक दिया। हादसे की जानकारी मिलते ही एयरपोर्ट का स्टाफ मौके पर पहुंचा और यात्रियों को विमान से बाहर निकाला। घटना के बाद विमान की तकनीकी जांच की जा रही है। टायर फटने की वास्तविक वजह फ्लिहाल स्पष्ट नहीं हो सकी है। एयरपोर्ट और एयरलाइन प्रबंधन की ओर से जांच के बाद ही घटना के कारणों की स्थिति साफ होने की उम्मीद है।

मीडिया ऑडिटर, नर्मदापुरम (निप्र)। देहात थाना पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के मामले में कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी लखन उर्फ लवका जाटव (21) को करीब दो किलोमीटर पीछा करने के बाद घेराबंदी कर पकड़ा। उसके कब्जे से दो पेटी बीयर और चार पेटी देशी शराब बरामद हुई है। जब शराब की कीमत करीब 25 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस ने शराब परिवहन में इस्तेमाल की जा रही स्कूटी भी जब्त कर



ली है। देहात थाना प्रभारी ऊषा मरावी के मुताबिक, पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि

काले कपड़े पहने और लंबे बाल वाला एक युवक स्कूटी से अवैध शराब लेकर बड़ी

स्वास्थ्य मंत्री के ‘दिमागी नक्सली’ बयान के विरोध में NSUI का प्रदर्शन, सामूहिक गिरफ्तारी की मांग

प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडेय के नेतृत्व में कार्यकर्ता सिटी कोतवाली पहुंचे, कथित बयान पर FIR दर्ज करने की मांग



मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के कथित

बयान के विरोध में NSUI ने गुरुवार को मनेंद्रगढ़ में प्रदर्शन किया। NSUI कार्यकर्ताओं ने

आरोप लगाया कि मंत्री ने संगठन के कार्यकर्ताओं को ‘दिमागी नक्सली’ कहकर संबोधित किया,

जिसे संगठन ने आपत्तिजनक बताते हुए विरोध दर्ज कराया। प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडेय के नेतृत्व में बड़ी संख्या में हस्तु कार्यकर्ता सिटी कोतवाली पहुंचे और सामूहिक गिरफ्तारी की मांग की। प्रदर्शन के दौरान कोतवाली परिसर में काफी देर तक नारेबाजी की गई। कार्यकर्ताओं ने कहा कि किसी जनप्रतिनिधि और मंत्री पद पर बैठे व्यक्ति द्वारा छात्रों और युवाओं के लिए इस तरह की टिप्पणी करना उचित नहीं है। NSUI ने कहा कि कथित बयान से संगठन के कार्यकर्ताओं की गरिमा और सम्मान को ठेस पहुंची है। कार्यकर्ताओं का कहना था कि हस्तु छात्रों से जुड़े मुद्दों और युवाओं की समस्याओं को लेकर

लगातार आवाज उठाता है। लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करना उनका अधिकार है। ऐसे में आंदोलन करने वाले छात्रों और कार्यकर्ताओं को इस तरह संबोधित किया जाना उचित नहीं है। **कांग्रेस नेताओं ने प्रदर्शन को दिया समर्थन:** प्रदर्शन में हस्तु प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडेय के साथ पूर्व विधायक गुलाब कमरो, कांग्रेस जिलाध्यक्ष अशोक वास्तव समेत कांग्रेस और NSUI के कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। कांग्रेस नेताओं ने भी NSUI के आंदोलन का समर्थन करते हुए स्वास्थ्य मंत्री के कथित बयान पर आपत्ति जताई। नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर कोतवाली परिसर में अपनी मांग रखी। उनका कहना था

कि सार्वजनिक पद पर बैठे लोगों को छात्रों और युवाओं के प्रति जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ बयान देना चाहिए। **पुलिस को सौंपा आवेदन:** NSUI प्रतिनिधिमंडल ने सिटी कोतवाली पुलिस को लिखित आवेदन भी सौंपा। आवेदन में कहा गया है कि यदि स्वास्थ्य मंत्री द्वारा दिया गया कथित बयान गलत और आपत्तिजनक है, तो उनके खिलाफ FIR दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाए। NSUI कार्यकर्ताओं ने पुलिस के सामने सामूहिक गिरफ्तारी की मांग भी रखी। उनका कहना था कि यदि मंत्री अपने कथित बयान को सही मानते हैं।

बिलासपुर में मवेशियों को बचाने के दौरान बाइक फिसली, पिकअप की चपेट में आने से युवक की मौत

मीडिया ऑडिटर, बिलासपुर (निप्र)। रक्षाबंधन से पहले बिलासपुर में सड़क हादसे में 24 वर्षीय युवक की मौत हो गई। युवक अपनी पत्नी को रक्षाबंधन के अवसर पर मायके छोड़कर बाइक से वापस लौट रहा था। इसी दौरान सड़क पर बैठे मवेशियों को बचाने के प्रयास में उसकी बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई। सड़क पर गिरने के बाद पीछे से आ रही पिकअप की चपेट में आने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना तोरवा थाना क्षेत्र की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार दर्ी निवासी दिलहरण कैवर्त गुरुवार सुबह करीब 8:30 बजे बाइक से अपनी सुसुगल गया था। पत्नी को मायके छोड़ने के बाद वह वापस अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान मुरा भद्रु रोड के पास

सड़क पर बैठे मवेशियों को देखकर उसने बाइक की रफ्तार कम करने और उन्हें बचाने का प्रयास किया। **अचानक ब्रेक लगाने से फिसली बाइक:** बताया जा रहा है कि बाइक की रफ्तार अधिक थी। सड़क के बीच मवेशियों को बैठा देखकर युवक अचानक धक्का गया और ब्रेक लगा दिया। इससे बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर फिसल गई और दिलहरण नीचे गिर गया। इसी दौरान पीछे से आ रही पिकअप ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। घायल युवक को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। बाद में उसे सिस्स में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे का उपचार शुरू किया। हालांकि, कुछ समय बाद उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

8 माह की गर्भवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत: मायके पक्ष ने प्रताड़ना और इलाज में लापरवाही के आरोप लगाए, 3 डॉक्टर कर रहे पोस्टमार्टम



मीडिया ऑडीटर, छिंदवाड़ा (निप्र)। छिंदवाड़ा के अमरवाड़ा क्षेत्र में आठ माह की गर्भवती 22 वर्षीय महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतका के मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर प्रताड़ना करने और गर्भावस्था के दौरान सही से इलाज नहीं कराने के गंभीर आरोप लगाए हैं। मौत की वास्तविक वजह सामने लाने के लिए शुक्रवार को छिंदवाड़ा जिला अस्पताल में तीन डॉक्टरों की टीम ने पोस्टमार्टम किया। मृतका की पहचान क्रांति वर्मा के रूप में हुई। उसके भाई सतीश वर्मा ने बताया कि क्रांति की शादी वर्ष 2025 में अमरवाड़ा क्षेत्र के धसनवाड़ा गांव निवासी चंचलेश वर्मा से हुई थी। परिजनों के अनुसार, शादी के शुरुआती दिनों में सबकुछ सामान्य था, लेकिन बाद में ससुराल पक्ष प्रताड़ित करने लगा।

26 अगस्त को बिगड़ी थी तबीयत: परिजनों के मुताबिक क्रांति आठ माह की गर्भवती थी। 26 अगस्त को तबीयत खराब होने पर उसे अमरवाड़ा के शिविर अस्पताल ले जाया गया था। वहां उपचार के बाद उसे छुड़ी दे दी गई। इसके बाद गुरुवार शाम अचानक उसकी तबीयत फिर बिगड़ गई। परिजन उसे अमरवाड़ा अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। क्रांति की मौत की सूचना मिलने के बाद मायके पक्ष के लोग अस्पताल पहुंचे। परिजनों ने अमरवाड़ा में पोस्टमार्टम कराने के बजाय छिंदवाड़ा जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराने की मांग की, ताकि मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सके। शुक्रवार को तीन डॉक्टरों की टीम पोस्टमार्टम कर रही है। मृतका के भाई सतीश वर्मा का कहना है कि यदि जांच में किसी तरह की लापरवाही या अपराध सामने आता है तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और परिवार को न्याय दिलाने की मांग की है। फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आने के बाद ही महिला और उसके गर्भवस्थ शिशु की मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

मैहर में नशीली कफ सिरप की 152 शीशी बरामद: शहडोल का युवक गिरफ्तार नाबालिग को अभिरक्षा में लिया, 5.90 लाख का माल बरामद

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मैहर जिले के अमरपाटन थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध नशीली कफ सिरप के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 152 शीशी सिरप जब्त की है। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया, जबकि एक नाबालिग को अभिरक्षा में लिया गया। कार्रवाई के दौरान तीन अन्य संदिग्ध आरोपी बाइक छोड़कर मौके से फरार हो गए।



कार में सफेद बोरी के अंदर मिली सिरप: पुलिस के अनुसार, 27 अगस्त की देर रात ग्राम छैहहा पहाड़ कॉलोनी में ग्रामीणों ने इको कार में सवार दो लोगों को संदिग्ध हालत में देखा। ग्रामीणों ने कार की तलाशी ली तो सफेद बोरी के अंदर बड़ी मात्रा में आनरेक्स नशीली कफ सिरप मिली। ग्रामीणों ने कार सवार सुजीत पटेल और उसके साथ मौजूद नाबालिग को पकड़ लिया। इसी दौरान बाइक से पहुंचे तीन अन्य युवक अपनी मोटरसाइकिल मौके पर छोड़कर भाग गए।कार, बाइक और मोबाइल भी जब्त सूचना मिलने पर अमरपाटन पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने 152 शीशी नशीली कफ सिरप के साथ इको कार क्रमांक **रव्हा89116**, एक मोटरसाइकिल और मोबाइल फोन जब्त किया है। पुलिस के अनुसार, जब्त सामग्री की कुल अनुमानित कीमत 5 लाख 90 हजार 628 रुपए है। पुलिस ने अपराध क्रमांक 472/2026 दर्ज कर धारा 8, 20, 21, 22 एनडीपीएस एक्ट और 5/13 मध्यप्रदेश ड्रा कंट्रोल एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सुजीत पटेल पिता अच्छेलाल पटेल निवासी तिख्या, थाना पपीध, जिला शहडोल के रूप में हुई है। नाबालिग को विधि-विरुद्ध बालक के रूप में अभिरक्षा में लिया गया है।तीन फरार आरोपियों की तलाश पुलिस अब मौके से फरार हुए तीनों संदिग्धों की तलाश कर रही है।

पन्ना में 4 साल से फरार आरोपी गिरफ्तार : मारपीट, गाली-गलौज और धमकी के मामले में था फरार संन्यासी बाबा धाम में छिपा था

मीडिया ऑडीटर, पन्ना (निप्र)। पन्ना के सलेहा थाना पुलिस ने चार साल से फरार चल रहे वारंटी आरोपी उमेश कोल (40) को गिरफ्तार किया है। पुलिस से बचने के लिए आरोपी ग्राम भुलगवा स्थित संन्यासी बाबा धाम में छिपकर रह रहा था। मुखबिर से मिली सूचना के बाद पुलिस टीम ने मौके पर दबिश देकर उसे पकड़ लिया।

मारपीट और धमकी का मामला दर्ज था: पुलिस के अनुसार, उमेश कोल के खिलाफ ग्राम विरहा में मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में केस दर्ज था। उसके खिलाफ धारा 341, 294, 324 और 506 के तहत मामला दर्ज किया गया था। अदालत से वारंट जारी होने के बाद से आरोपी लगातार पुलिस से बच रहा था और अपने ठिकाने बदल रहा था। गिरफ्तारी से बचने के लिए उमेश कोल भुलगवा स्थित संन्यासी बाबा धाम में जाकर रहने लगा था। पुलिस को आशंका थी कि वह



धार्मिक स्थल की आड़ में लंबे समय तक छिपा रह सकता है। गुरुवार को पुलिस को सूचना मिली कि उमेश कोल संन्यासी बाबा धाम में मौजूद है। सूचना की पुष्टि के बाद

पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर दबिश दी और आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया।मुखबिर की सूचना पर दबिश गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई

पूरी की और आरोपी को अदालत के समक्ष पेश किया। कार्रवाई उपनिरीक्षक शक्ति प्रकाश पांडेय के नेतृत्व में की गई। टीम में प्रधान आरक्षक राजेश प्रजापति, आदित्य कुशवाहा, आरक्षक बबलू पटेल और आशीष बुनकर शामिल रहे।सलेहा थाना पुलिस ने चार साल से फरार चल रहे वारंटी आरोपी उमेश कोल को गिरफ्तार किया है। आरोपी पुलिस से बचने के लिए ग्राम भुलगवा स्थित ‘संन्यासी बाबा धाम’ में छिपा हुआ था। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए उसे पकड़ा। 40 वर्षीय उमेश कोल के खिलाफ सलेहा थाना क्षेत्र के ग्राम विरहा में मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय दंड संहिता की धारा 341, 294, 324, 506 के तहत मामला दर्ज था। अदालत से वारंट जारी होने के बाद से आरोपी लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था। गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपी ने एक अनोखा तरीका अपनाया।

वह ग्राम भुलगवा स्थित ‘संन्यासी बाबा धाम’ में जाकर छिप गया और वहीं रहने लगा। उसे उम्मीद थी कि धार्मिक स्थल की आड़ में वह पुलिस की पकड़ से दूर रहेगा। पुलिस लंबे समय से फरार उमेश कोल की तलाश में थी। 28 अगस्त को पुलिस को मुखबिर से सटीक सूचना मिली कि आरोपी भुलगवा के संन्यासी बाबा धाम में छिपा हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तत्काल योजना बनाकर बताए गए ठिकाने पर दबिश दी और आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी उमेश कोल को हिरासत में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी की गई। इसके उपरांत उसे अदालत के समक्ष पेश किया गया। इस पूरी कार्रवाई में उपनिरीक्षक शक्ति प्रकाश पाण्डेय के नेतृत्व में प्रधान आरक्षक राजेश प्रजापति, आदित्य कुशवाहा, आरक्षक बबलू पटेल और आशीष बुनकर की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

20 साल पुराने फिरोती केस का इनामी वारंटी गिरफ्तार:गौरिहार पुलिस ने 7 साल पुराने हत्या केस के वारंटी को भी पकड़ा



मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले में फरार आरोपियों और स्थाई वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे ‘न्याय पथ अभियान’ के तहत गौरिहार पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने उत्तर प्रदेश में दबिश देकर दो इनामी वारंटियों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक आरोपी करीब 20 साल पुराने फिरोती के मामले में फरार था, जबकि दूसरा 7 साल पुराने सड़क दुर्घटना और गैर इरादतन हत्या के मामले में पुलिस से बच रहा था। दोनों आरोपियों की

गिरफ्तारी के बाद उन्हें न्यायालय में पेश किया गया।

20 साल से फरार था फिरोती का आरोपी: पुलिस के अनुसार, वर्ष 2006 के फिरोती प्रकरण में ग्राम परदे निवासी बदलू अहिरवार उर्फ बबलू पिता बैजू अहिरवार लंबे समय से फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित था। पुलिस टीम ने लगातार जानकारी जुटाने के बाद आरोपी को उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले से गिरफ्तार कर लिया।

सड़क हादसे के मामले में 7 साल से फरार: दूसरी कार्रवाई वर्ष 2019 के सड़क दुर्घटना और गैर इरादतन हत्या के प्रकरण में की गई। पुलिस ने रामगोपाल पाल पिता नानकाई पाल को उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले से गिरफ्तार किया। आरोपी फुलतुरवा, थाना गाजीपुर, जिला फतेहपुर का निवासी है। उसकी गिरफ्तारी पर 4 हजार रुपए

एसपी के निर्देशन में कार्रवाई

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आदित्य पटेल और एसडीओपी लवकुशनगर नवीन दुबे के मार्गदर्शन में की गई। गौरिहार थाना प्रभारी निरीक्षक आरएन पट्टेरिया और चौकी प्रभारी पहरा उपनिरीक्षक देवेन्द्र सिंह यादव सहित पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने बताया कि पुराने लंबित मामलों में फरार आरोपियों और वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए ‘न्याय पथ अभियान’ आगे भी जारी रहेगा।

स्कूटी सवार दादा और दो पोतियों समेत 4 की मौत:रीवा में रक्षाबंधन के लिए खरीदारी कर लौट रहे थे; तेज रफ्तार बाइक सामने से भिड़ी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा के गुढ़ थाना क्षेत्र में गुरुवार शाम तेज रफ्तार बाइक और स्कूटी की जोरदार टक्कर में एक ही परिवार के दादा और उनकी दो पोतियों समेत 4 लोगों की मौत हो गई। हादसा भैरव बाबा मोड़ के पास हुआ। स्कूटी पर 55 वर्षीय विंध्यवासिनी तिवारी उर्फ बबलू अपनी दो पोतियों शिवी (4) और शक्ति (5) के साथ सवार थे। हादसे में शिवी की मौके पर ही मौत हो गई। शक्ति और उनके दादा विंध्यवासिनी तिवारी गंभीर रूप से घायल हुए। दोनों ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं बाइक सवार पंकज सिंह (22),



निवासी मंझौली, सीधी की भी इलाज के दौरान मौत हो गई।रक्षाबंधन की खरीदारी कर लौट रहे थेचौड़ीयार निवासी दोनों बच्चियां रक्षाबंधन के लिए गुढ़ बाजार में खरीदारी करने आई थीं। बाजार से लौटते समय रास्ते में उन्हें उनके दादा मिल

गए। इसके बाद दोनों बच्चियां दादा के साथ स्कूटी से घर लौटने लगीं। इसी दौरान भैरव बाबा मोड़ के पास सीधी की तरफ से रीवा की ओर जा रही तेज रफ्तार बाइक उनकी स्कूटी से सामने से भिड़ गई। टक्कर इतनी

जोरदार थी कि स्कूटी सवार दादा और दोनों बच्चियां सड़क पर जा गिरे।

मौके पर मची चीख-पुकार: हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोगों ने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। 4 साल की शिवी तिवारी ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं 5 साल की शक्ति तिवारी और उनके दादा विंध्यवासिनी तिवारी की इलाज के दौरान मौत हो गई। दूसरी ओर बाइक सवार पंकज सिंह की हालत भी गंभीर थी। इलाज के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया।बाइक पर सवार थे तीन युवक बताया जा रहा है कि बाइक पर तीन युवक सवार थे।

पुलिस बाइक पर सवार अन्य युवकों और हादसे की परिस्थितियों की जानकारी जुटा रही है। प्रारंभिक जानकारी में बाइक की तेज रफ्तार को हादसे की वजह बताया जा रहा है।

एक ही परिवार में तीन मौतों से मातम: दादा और दो मासूम पोतियों की मौत से चौड़ीयार गांव में मातम पसर रहा है। रक्षाबंधन की खरीदारी के लिए बाजार आई बच्चियों के साथ हुए हादसे से परिवार में दुख का माहौल है। गुढ़ थाना पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप जाऐगे।

पुलिस की बस की टक्कर से बाइक सवार की मौत:गुना में दो सड़क हादसों में तीन की मौत, दो बाइक की आमने सामने की हुई भिड़ंत

मीडिया ऑडीटर, गुना (निप्र)। गुना में दो अलग अलग सड़क हादसों ने तीन लोगों की मौत हो गई। केंट थाना इलाके में गुरुवार-शुक्रवार की रात सड़क हादसा हो गया। दो बाइक की आमने सामने हुई टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई। वहीं आरोन इलाके में सरकारी गाड़ी ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार युवक की मौत हो गई। जिला अस्पताल में दोनों शवों का पोस्टमार्टम किया गया। पहला मामला केंट थाना इलाके का है।

मिली जानकारी के अनुसार चक चोरोल के रहने वाले जितेंद्र अहिरवार(32) अपने साथी हरि सिंह के साथ गांव से गुना आ रहे थे। दोनों बाइक पर थे। वहीं पिपरिया निवासी दीपक अहिरवार (32) गुना तरफ से अपने गांव जा रहा था। जैसे ही दोनों बाइक सिंगवासा पर पहुंची,



दोनों में आमने सामने की टक्कर हो गई। हादसे में बाइक चला रहे जितेंद्र और दीपक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं हरि सिंह बचकर बच निकले। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सभी को जिला अस्पताल भिजवाया। यहां डॉक्टरों ने दो को मृत घोषित कर दिया। वहीं एक घायल का इलाज किया जा रहा है।पुलिस के वाहन

की बाइक से टक्कर दूसरा मामला आरोन इलाके का है। आरोन नगर के सिरोंज रोड स्थित बावड़ी के पास एक सड़क हादसा हो गया। ड्यूटी पर जा रहे पुलिस जवानों से भरे एक सरकारी वाहन और बाइक की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

गुरुवार रात सरकारी वाहन क्रमांक **रव्हा38852** और बाइक की आमने-सामने टक्कर हुई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार एक युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया।जिला अस्पताल गुना रेफर सूचना मिलने पर डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और घायल युवक को सिविल अस्पताल आरोन पहुंचाया गया। यहां डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल गुना रेफर कर दिया। मृतक की पहचान बबलू निवासी मुंछाखेजरा के रूप में हुई है, जबकि घायल युवक की पहचान अभी नहीं हो सकी है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मकान के तलघर में मिले महिला-पुरुष के शव: रतलाम में साले की पत्नी के साथ लिव-इन में रह रहा था युवक; सल्फास खाकर दी जान

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम के ढेढर में गुरुवार सुबह निर्माणाधीन मकान के तलघर में एक महिला और पुरुष के शव मिले। मौके से सल्फास की गोलियां और सुसाइड नोट भी मिला है। पुलिस के अनुसार, नोट में दोनों ने अपनी मौत की जिम्मेदारी खुद लेने की बात लिखी है। मृतकों की पहचान ईश्वरलाल प्रजापत (38) निवासी कालालिया और चंदाबाई निवासी प्रतापगढ़ (राजस्थान) के रूप में हुई है। सुबह मकान मालिक निर्माणाधीन मकान पर पहुंचा था। तलघर में दोनों के शव पड़े देखकर उसने ढेढर पुलिस चौकी को सूचना दी। सूचना मिलते ही जावरा एसडीओपी संदीप मालवीय, रिगनोद थाना प्रभारी आनंदसिंह आजाद और ढेढर चौकी प्रभारी रघुवीर जोशी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने पंचनामा बनाकर दोनों शवों को जावरा सरकारी अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए भेजा।



एक साल से लिव इन में रह रहे थे: पुलिस की जांच में सामने आया कि ईश्वरलाल मकान बनाने की ठेकेदारी करता था। जिस निर्माणाधीन मकान में दोनों के शव मिले, उसका काम भी वहीं ठेके पर कर रहा था। पुलिस के अनुसार, दोनों के बीच प्रेम प्रसंग था और वे पिछले एक साल से लिव इन में रह रहे थे। दोनों ने ढेढर में किराए का मकान ले रखा था। पुलिस के

अनुसार, चंदाबाई ईश्वरलाल के साले की पत्नी थी। शवों की स्थिति और मौके से मिले साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने बताया कि दोनों ने बुधवार रात करीब 12 से 1 बजे के बीच सल्फास की गोलियां खाई होंगी।सुसाइड नोट में खुद को बताया जिम्मेदार पुलिस ने मौके से सुसाइड नोट बरामद किया है। इसमें दोनों ने अपनी मौत के लिए खुद को जिम्मेदार बताया है और अपनी इच्छा से जान देने

की बात लिखी है। ढेढर चौकी प्रभारी रघुवीर जोशी ने बताया कि ईश्वरलाल पिछले एक साल से अपने साले की पत्नी के साथ लिव इन में रह रहा था। मौके से मिले सुसाइड नोट के आधार पर दोनों की मौत की जांच की जा रही है। मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया गया है। जावरा एसडीओपी संदीप मालवीय ने बताया कि मामले में सभी तथ्यों को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है।

अनाया बांगर को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से मिली मंजूरी मिलने पर ऑलराउंडर मारिजान कैप ने जताई आपत्ति



नई दिल्ली,एजेसी। दक्षिण अफ्रीका की तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर मारिजान कैप ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के उस फैसले का कड़ा विरोध किया है जिसमें ट्रांसजेंडर क्रिकेटर अनाया बांगर को देश के कम्युनिटी क्रिकेट सर्किट में खेलने और आगे चलकर एलीट विमेंस बिग बैश लीग (ड्रुडब्लर) में खेलने का मौका मिल सकता है। मारिजान अब तक दक्षिण अफ्रीका के लिए चार टेस्ट, 162 वनडे और 126 झटका मैच खेल चुकी हैं और उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी नाराजगी जाहिर की। अनाया को मिली मंजूरी के बारे में एक न्यूज आर्टिकल का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए मारिजान ने ड्रुडब्लर के ऑफिशियल हैंडल को टैग करते हुए लिखा, 'बिल्कुल बेतुका, इसकी इजाजत नहीं होनी चाहिए।' यह घटनाक्रम तब हुआ जब भारत के पूर्व क्रिकेटर और बैटिंग कोच संजय बांगर की संतान अनाया ने कम्युनिटी क्रिकेट में अपनी भागीदारी की स्थिति के बारे में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से औपचारिक सूचना मिलने की पुष्टि की। अनाया ने इस साल की शुरुआत में थाईलैंड में जेंडर-अग्रिम सर्जरी करवाई थी और प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करने पर राहत महसूस की और बताया कि वह ऑस्ट्रेलिया में फिर से खेलने के लिए एक क्लब ढूंढ रही हैं।

मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अनाया ने कहा था, 'यह मेरे लिए एक बहुत अच्छा दिन है, खासकर यह जानने के बाद कि मैं क्रिकेट खेल सकती हूँ। एक समय ऐसा भी था जब मुझे लगा था कि मैं कभी क्रिकेट नहीं खेल पाऊंगी, लेकिन क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का शुक्रिया कि उन्होंने मुझे एक और मौका दिया।' शुरुआत में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बिस्मिल) से संपर्क करने और कोई औपचारिक जवाब न मिलने पर अनाया ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का रुख किया। एक आधिकारिक जवाब में छ की इंटीग्रिटी हेड जैकी पार्टिज ने उनकी पात्रता तय करने वाले नियमों का हवाला दिया। जैकी ने कहा, 'मार्च 2027 तक, आप ऑस्ट्रेलिया के किसी भी राज्य या क्षेत्र में प्रीमियर क्रिकेट प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए पात्र हैं। चूंकि पॉलिनी के तहत प्रीमियर क्रिकेट को एलीट क्रिकेट के बजाय कम्युनिटी क्रिकेट के रूप में वर्गीकृत किया गया है, इसलिए इन प्रतियोगिताओं में आपकी भागीदारी इस फैसले से प्रभावित नहीं होती है।' जैकी ने कहा, 'उस तारीख (मार्च 2027) से एलीट क्रिकेट के लिए आपकी पात्रता इस बात पर निर्भर करेगी कि ऑस्ट्रेलिया पहुंचने पर आप ब्लड टेस्ट करवाएं, जिससे यह पुष्टि हो सके कि आपका सीरम टेस्टोस्टेरोन लेवल 10 युद्धाघ/रुसे कम है और आप पॉलिनी की पात्रता शर्तों को पूरा करते हैं।

इमरान खान के बेटों के इंटरव्यू से पाकिस्तान नाराज, लॉर्ड्स टेस्ट से हटने पर किया था विचार



कराची। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान रहे इमरान खान के बेटों के मेजबान प्रसारक स्काई स्पोर्ट्स पर साक्षात्कार से नाराज पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (बिस्मिल) ने लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के पहले दिन लंच के बाद अपने खिलाड़ियों को मैदान पर न भेजने पर विचार किया था, लेकिन आखिर में उसने शिकायत दर्ज कराने पर सहमति जताई। बिस्मिल से संपर्क करने पर उसने इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, लेकिन घटनाक्रम से अवगत सूत्रों ने बताया कि इस मामले को लेकर स्काई स्पोर्ट्स को औपचारिक शिकायत भेजी गई है। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइक एथर्टन ने इमरान के बेटों कासिम और सुलेमान का 18 मिनट का इंटरव्यू किया था। दोनों ने अपने 73 वर्षीय पिता के स्वास्थ्य को लेकर चिंता व्यक्त की। इमरान पाकिस्तान के पूर्व कप्तान भी हैं और उनकी अगुवाई में ही उसने 1992 में अपना पहला और एकमात्र वनडे विश्व कप जीता था। सूत्रों के अनुसार बिस्मिल ने बुधवार को रिकॉर्ड किए गए इंटरव्यू के प्रसारण पर आपत्ति जताई थी। यहां तक ??कि उसने स्काई द्वारा प्रसारण जारी रखने की स्थिति में विरोध स्वरूप लंच के बाद अपने खिलाड़ियों को मैदान में नहीं भेजने पर भी विचार किया था। पाकिस्तान की टीम हालांकि निर्धारित समय पर मैदान पर उतरी। इंग्लैंड ने इस मैच के पहले दिन 9 विकेट पर 248 रन बनाए।

पाकिस्तान को लगा झटका, इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले बड़ा खिलाड़ी चोटिल

लंदन,एजेसी। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज इमाम-उल-हक की पिंडली में खिंचाव ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में पाकिस्तान की चिंता बढ़ा दी है। उनके मौजूदा मैच में मैदान पर उतरने को लेकर संशय बना हुआ है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (बिस्मिल) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इमाम को टेस्ट के पहले दिन चोट लगी थी। बृहस्पतिवार शाम के सत्र के दौरान वह कुछ समय के लिए मैदान से बाहर भी रहे। बिस्मिल ने एक बयान में कहा, 'पहले दिन के खेल के बाद मैं कराए गए जांच में पिंडली में हल्के खिंचाव की पुष्टि हुई है। इमाम का फिलहाल पाकिस्तान की मेडिकल टीम की निगरानी में उपचार चल रहा है।'

बोर्ड ने आगे कहा कि टेस्ट मैच के शेष हिस्से में इमाम की भागीदारी उपचार के बाद उनके पूरी तरह स्वस्थ होने पर निर्भर करेगी।



इमाम ने लीड्स में खेले गए पहले के साथ पाकिस्तान की पारी की टेस्ट में युवा बल्लेबाज अजान अवैस शुरुआत की थी। पाकिस्तान को उस

ऋषभ पंत के प्रदर्शन पर भड़के पूर्व भारतीय स्पिनर, उन्हें जिम्मेदारी लेनी चाहिए



नई,एजेसी। लंका दौरे पर ऋषभ पंत के आंकड़े भले ही दो टेस्ट मैचों की सीरीज में अच्छा प्रदर्शन दिखाते हों, लेकिन भारत के पूर्व ऑफ-स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना ??है कि इस विकेटकीपर-बल्लेबाज को अभी भी काफी सुधार करने की जरूरत है। अश्विन ने पंत के फैसले लेने के तरीके पर

WTC Final में कैसे क्वालीफाई करेगा भारत? लंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में ड्रॉ से बिगड़ा खेल

कोलंबो। लंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में ड्रॉ के कारण भारत के लिए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल का रास्ता मुश्किल हो गया है। लंका ने पांचवें दिन शानदार वापसी करते हुए भारत को ड्रॉ पर रोक दिया। नतीजतन, भारत दो टेस्ट की सीरीज 2-0 से जीतने के बजाय 1-0 से ही जीत पाया। इस ड्रॉ से भारत को लंका सीरीज से अधिकतम 24 के बजाय 16 पॉइंट मिले। अब भारत 51.52 बिस्मिल के साथ ड्रुडब्लर पॉइंट टेबल में पांचवें स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया में बांग्लादेश की सीरीज 1-1 से ड्रॉ होने के बाद ड्रुडब्लर फाइनल की दो जगहों के लिए दौड़ और दिलचस्प हो गई है क्योंकि मुकाबला अपने अगले चरण में पहुंच रहा है।ड्रुडब्लर फाइल में क्वालीफाई के लिए भारत को क्या करना होगा मौजूदा ड्रुडब्लर साइकल में भारत के 7 टेस्ट मैच बाकी हैं। वे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ उनके घर पर दो टेस्ट खेलेंगे और उसके बाद ऑस्ट्रेलिया के साथ पांच टेस्ट की सीरीज (भारत में) की मेजबानी करेंगे। भारत के लिए सबसे आसान रास्ता है कि वे सभी सात मैच जीतें। अगर वे ऐसा करते हैं, तो उनका बिस्मिल 70.37



होगा, जिससे वे फाइनल में पहुंचने की बहुत मजबूत स्थिति में आ जाएंगे। भारत अपने बाकी सात टेस्ट मैचों में एक हार भी झेल सकता है। छह जीत और एक हार से उनका फाइनल अंक 65 के करीब पहुंच जाएगा। इसका मतलब यह भी होगा कि भारत ऑस्ट्रेलिया से काफी पॉइंट्स हासिल कर लेगा जो अभी टेबल में सबसे आगे है और पांच टेस्ट मैचों में भारत का सामना करेंगे। गौर हो कि पिछले दो ड्रुडब्लर साइकल में फाइनलिस्ट अलग-अलग बिस्मिल के साथ क्वालीफाई किए थे। पिछले साइकल में, दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया क्रमशः 69.44% और

67.54% के साथ फाइनल में पहुंचे थे। 2023 के एंडिशन में ऑस्ट्रेलिया 66.67% के साथ क्वालीफाई किया जबकि भारत 58.80% के साथ फाइनल में पहुंचा।

अगर भारत न्यूजीलैंड में हार जाता है तो क्या होगा? अगर भारत न्यूजीलैंड में दोनों टेस्ट हार जाता है तो उसकी स्थिति और मुश्किल हो जाएगी। भले ही भारत बाद में घरेलू मैदान पर ऑस्ट्रेलिया को 5-0 से हरा दे, फिर भी उसका बिस्मिल 59.26 ही रहेगा। इससे वह दौड़ में तो बना रहेगा, लेकिन तब उसे दूसरे नतीजों पर बहुत ज्यादा निर्भर रहना होगा।

सवाल उठाए हैं और उनसे कहा है कि वे एक बहुत आक्रामक खिलाड़ी के तौर पर अपनी पहचान से ज्यादा मैच की जरूरतों को अहमियत दें। पंत ने दो टेस्ट मैचों में कुल 168 रन बनाए, जिसमें दो अर्धशतक शामिल थे, लेकिन उनके शॉट चुनने के तरीके पर काफी चर्चा हुई। अपने यूट्यूब चैनल 'अश की बात' पर अश्विन ने कहा कि पंत का प्रदर्शन अभी भी उस स्तर का नहीं है जिसकी उम्मीद एक स्थापित टेस्ट खिलाड़ी से की जाती है। अश्विन ने कहा, 'ऋषभ पंत से मेरी उम्मीदें अभी तक पूरी नहीं हुई हैं। मुझे बहुत खेद है। सोनल दिनुशा का स्ट्राइक रेट भी अच्छा था। लेकिन फर्क ज्यादा जोखिम वाले विकल्पों का है। जब खेल आपके हाथ में हो, तो ये सब बातें मायने नहीं रखतीं कि 'ऋषभ ऐसे ही खेलते हैं। असल बात यह है कि आपकी टीम को क्या चाहिए।'

टेस्ट में मैच की स्थिति को बेहतर ढंग से समझने की जरूरत

भारत के पूर्व स्पिनर ने खास तौर पर इस बात की आलोचना की कि पंत को उनके अנוखे अंदाज और असर की वजह से बिना किसी सवाल के खेलने दिया जाना चाहिए। अश्विन का मानना ??है कि टेस्ट क्रिकेट में मैच की स्थिति को बेहतर ढंग से समझने की जरूरत होती है, खासकर तब जब दांव पर बहुत कुछ लगा हो। उन्होंने आगे कहा, 'ऋषभ ने सिडनी और ब्रिस्बेन में शानदार पारियां खेलीं, लेकिन आप वाशिंगटन सुंदर और शार्दूल ठाकुर के बिना वह मैच नहीं जीत सकते थे। टेस्ट मैच बनाने और खेल के आखिरी सेशन में उसे जीतने के लिए 11 क्रिकेटर्स की जरूरत होती है, लेकिन टेस्ट मैच हारने के लिए सिर्फ एक पल की बेवकूफी ही काफी होती है।' अश्विन का मुख्य तर्क यह है कि पंत की प्रतिभा पर कोई सवाल नहीं है, लेकिन वे उसका इस्तेमाल कैसे करते हैं, इससे यह तय हो सकता है कि क्या वे हर तरह की परिस्थितियों में लगातार निर्णायक भूमिका निभा पाएंगे या नहीं। उन्होंने इस बात को भी खारिज कर दिया कि पंत के आक्रामक अंदाज की जांच-पड़ताल नहीं होनी चाहिए, सिर्फ इसलिए क्योंकि उन्होंने अतीत में यादगार पारियां खेली हैं।

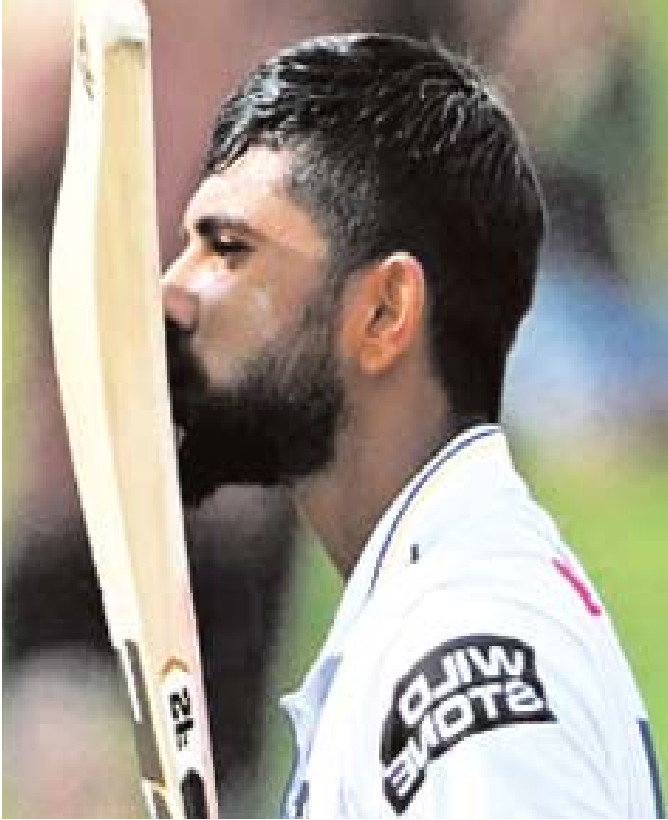
ऋषभ पंत को जिम्मेदारी लेनी चाहिए

पंत के 168 रनों में अर्धशतक शामिल थे, लेकिन लंका दौरे पर उन्हें एक झटका भी लगा जब कोलंबो में लाहिरू कुमारा की गेंद कलाई पर लगने के बाद उन्हें चोट के कारण मैदान छोड़ना पड़ा। दूसरे दिन क्रीज पर लौटते ही उन्होंने आक्रामक खेल दिखाया और एक छक्का भी जड़ा। हालांकि अश्विन का मानना ??है कि जब टीम को आक्रामक जोखिम के बजाय स्थिरता की जरूरत हो, तो पंत को ज्यादा जिम्मेदार होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मैं बस उन मौकों की बात कर रहा हूं जब ऐसे जोखिम लिए जाते हैं जबकि मैच का नतीजा दांव पर लगा हो। मुझे खिलाड़ी के तौर पर ऋषभ पसंद हैं। बात इस फॉर्मेट में हालात के हिसाब से खेलने की है। किसी एक खिलाड़ी को खास तबज्जो न दें। अगर 'जेनेरेशन में एक बार आने वाले खिलाड़ी' का समर्थन कर रहे हैं, तो सबके लिए करें। जायसवाल भी ऐसे ही खिलाड़ी हैं। ऋषभ के बारे में मैं बस इतना कह रहा हूं कि वह अनुभवी हैं, उन्होंने 50 टेस्ट खेले हैं। उन्हें जिम्मेदारी लेनी चाहिए।' अश्विन ने टेस्ट क्रिकेट के दो सबसे खतरनाक आक्रामक बल्लेबाजों वॉरेन सहवाग और एडम गिलक्रिस्ट से भी तुलना की और कहा कि आक्रामकता को भी हालात के हिसाब से ढालने की जरूरत होती है। अश्विन ने कहा, 'जिस दिन आप उन्हें सच बता देंगे, वह भारत के लिए सभी फॉर्मेट के खिलाड़ी बन जाएंगे।'

टी20 एशिया कप : पाकिस्तान से मुकाबले पर हरमनप्रीत का बड़ा बयान, किसी एक विशेष टीम पर ध्यान नहीं दे रहे

दुबई,एजेसी। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने गुरुवार को कहा कि उनकी टीम महिला टी20 एशिया कप में किसी विशेष प्रतिद्वंद्वी को निशाने पर रखकर नहीं चल रही है और इसके बजाय वह अच्छा क्रिकेट खेलने पर ध्यान केंद्रित करेगी। एशिया कप में भारत, पाकिस्तान, मौजूदा चैंपियन लंका, बांग्लादेश, मेजबान यूएई, थाईलैंड, हांगकांग, चीन और इंडोनेशिया की टीम भाग ले रही है। वनडे विश्व चैंपियन भारत महिला टी20 एशिया कप में प्रबल दावेदारों में से एक है, लेकिन हरमनप्रीत ने पांच सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले अपने बहुप्रतीक्षित मुकाबले को लेकर बने माहौल को खास तबज्जो नहीं दी। हरमनप्रीत ने शुक्रवार से शुरू होने वाले टूर्नामेंट से पहले कप्तानों की प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'हम किसी एक विशेष टीम पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। सभी टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं और हमारा ध्यान अच्छा क्रिकेट खेलने पर है।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने सोनल दिनुशा की तारीफ की, कहा- संगकारा और जयवर्धने के दौर की याद दिला दी



मुंबई(महाराष्ट्र),एजेसी। भारत के पूर्व क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने लंका के युवा बल्लेबाज सोनल दिनुशा की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि घरेलू मैदान पर भारत के खिलाफ दिनुशा के शानदार प्रदर्शन ने उन्हें लंका के महान खिलाड़ियों कुमार संगकारा और महिला जयवर्धने के दौर की याद दिला दी। पुजारा का मानना ??है कि यह बाएं हाथ का बल्लेबाज आने वाले सालों में अपने देश के लिए महान खिलाड़ियों में से एक बन सकता है। भारत के खिलाफ दिनुशा का खेल जबरदस्त रहा। कोलंबो में मैच के आखिरी दिन मजबूत बल्लेबाजी से उन्होंने सीरीज का अपना तीसरा ऐतिहासिक शतक दिलाया और भारत की क्लीन स्वीप की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। उन्होंने चार पारियों में

140.00 की औसत से 420 रन बनाए, जिसमें तीन शतक और एक अर्धशतक शामिल था। उन्होंने मिडिल-ऑर्डर में बल्लेबाजी करते हुए 722 गेंदों का सामना किया, जो किसी भी बल्लेबाज द्वारा एक सीरीज में खेली गई सबसे ज्यादा गेंदें हैं। क्रिकइन्फो पर पुजारा ने कहा, 'पूरी सीरीज में उन्होंने जिस तरह से बल्लेबाजी की है, वह शानदार रही है। वह मुझे कुमार संगकारा और महिला जयवर्धने जैसे बल्लेबाजों के दौर की याद दिलाते हैं। जब मैं बड़ा हो रहा था, तो मैं उन लंकाई खिलाड़ियों को अपना आदर्श मानता था। अगले 5-10 सालों में सोनल दिनुशा लंकाई क्रिकेट के महान खिलाड़ियों में से एक बन सकते हैं। उन्होंने वह क्षमता दिखाई है। दूसरे टेस्ट मैच के आखिरी दिन उन्होंने जिस तरह से बल्लेबाजी

की, वह तारीफ के काबिल थी।' दिनुशा ने पांच टेस्ट मैचों में अब तक 9 पारियों में 86.57 की औसत से 606 रन बनाए हैं जिसमें तीन शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 133 रन रहा है। उन्होंने 70 फर्स्ट-क्लास मैचों में 48.44 की औसत से 4,118 रन बनाए हैं जिसमें 14 शतक और 20 अर्धशतक शामिल हैं और उनका बेस्ट स्कोर 145 रहा है। उन्होंने निचले क्रम में डटकर खेलने के लिए केशरा नुवान्था और लाहिरू कुमारा की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि नुवान्था की तकनीक, खासकर स्पिन के खिलाफ, उन्हें हैरान कर गई क्योंकि उनका घरेलू रिकॉर्ड (17 फर्स्ट-क्लास मैचों में 13 की औसत और कोई अर्धशतक नहीं) बहुत अच्छा नहीं है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ‘खेलो इंडिया संवाद’ कार्यक्रम में हुए शामिल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव आज रायपुर में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (NIT) में आयोजित ‘खेलो इंडिया संवाद’ कार्यक्रम में शामिल हुए। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती राष्ट्रीय खेल दिवस के मौके पर आयोजित देशव्यापी ‘खेलो इंडिया संवाद’ को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय युवा मामले व खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने वचुंअली संबोधित किया। उन्होंने देश के विभिन्न शहरों से लगभग 1600 स्थानों से जुड़े 8 लाख से अधिक युवाओं को संबोधित किया। देशभर के एथलीट्स और खेल जगत की प्रसिद्ध हस्तियां भी इसमें वचुंअली शामिल हुए। रायपुर में आयोजित कार्यक्रम में प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर तिलक वर्मा और यूथ-आइकन डॉ. प्रियंका बिस्सा भी मौजूद थीं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ‘खेलो इंडिया संवाद’ में देशभर के युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि जब हम खेल की बात करते हैं, तो ये केवल मेडल जीतने तक सीमित नहीं है। ये विकसित भारत के निर्माण में भारत की खेलशक्ति और भारत की युवाशक्ति को एक साथ जोड़ने का अभियान है। उन्होंने कहा, ‘जो खेले, वो खिले। और खेल में खिलना सिर्फ मैदान पर जीतना नहीं है, खेल में



खिलना मतलब व्यक्तित्व का खिलना, परिवार का खिलना और देश का गौरव बढ़ाना। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि भारत में 21वीं सदी का आधुनिक स्पोर्ट्स इकोसिस्टम बनाने के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। आज स्पोर्ट्स और स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटीज से लेकर आधुनिक ट्रेनिंग सेंटर्स तक देश में एक ऐसी व्यवस्था बनाई जा रही है, जिसमें प्रतिभा को पहचानने से लेकर उसे दुनिया के मंच तक पहुंचाने तक हर स्तर पर सहयोग मिले। हम दुनिया के दूसरे देशों के साथ भी स्पोर्ट्स साइंस, प्रशिक्षण, कोचिंग और अनुभव साझा करने के लिए सहयोग बढ़ा रहे हैं। श्री मोदी ने कहा कि ‘खेलो इंडिया संवाद’ सिर्फ खेल की बात करने का कार्यक्रम नहीं है। ये एक ऐसे संवाद का मंच है जिसका

एक-एक विचार देश के स्पोर्ट्स विजन को एक नई दिशा दे सकता है। इसके साथ जो युवा संवाद हो रहा है, वो युवाओं के विचारों और महत्वाकांक्षाओं को देश के सपनों से जोड़ने का बहुत बड़ा माध्यम है। इस कार्यक्रम में स्पोर्ट्स इकोसिस्टम, टैलेंट डेवलपमेंट, गवर्नेंस और विकसित भारत को लेकर युवा क्या सोचते हैं, उनके सुझाव क्या हैं, इन बातों को सुनकर उन्हें नीतियों के निर्माण में शामिल किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव ने एनआईटी में आयोजित ‘खेलो इंडिया संवाद’ में युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि हर व्यक्ति की सफलता के पीछे कठोर परिश्रम होता है। बुराईयों को त्याग कर, अपनी कमियों और खामियों को दूर कर जब मेहनत करते हैं, तब हमें बड़ी सफलता मिलती है। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहने की अपील करते हुए कहा कि नशामुक्त युवा ही विकसित भारत का निर्माण कर सकता है। नशामुक्त होना अपने आप में देश को ताकत और मजबूती देना है। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि कई बार हमें थोड़ी असफलता मिलती है, पर इससे निराश और हताश नहीं होना है, न ही नशे की ओर प्रवृत्त होना है। नशा आपको कमजोर करता है, नुकसान पहुंचाता है। नशे से

कभी किसी को कोई लाभ नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि जीवन में पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें। आपके सामर्थ्य और आपके दम पर यह देश विकसित भारत बनेगा। हमारे प्रधानमंत्री आप लोगों को आगे बढ़ाना चाहते हैं, युवाओं की क्षमता का उपयोग कर भारत को विकसित राष्ट्र बनाना चाहते हैं। मशहूर क्रिकेटर तिलक वर्मा ने कार्यक्रम में युवाओं के सवालों के जवाब देते हुए कहा कि खेल व्यक्ति को सब कुछ सिखाता है। कठिन परिस्थितियों से जुझना, दबाव झेलना, कौशल, टीम भावना और मानसिक स्थिरता जैसे गुण विकसित करने के साथ ही यह सेहत, फिटनेस और पोषण के लिए जागरूक करता है। उन्होंने कहा कि कपिल देव, सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और नीरज चोपड़ा जैसे खिलाड़ियों ने देश के लाखों युवाओं को खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया है। यूथ-आइकन डॉ. प्रियंका बिस्सा ने कहा कि युवाओं को सुझाव देने और पहल करने के साथ ही खुद जिम्मेदारी लेने की भी जरूरत है। युवा अपने इनिशिएटिव्स (Initiatives) में ओनरशिप (Ownership) की भावना के साथ काम करें। नेतृत्व, शासन-प्रशासन और देश को आगे बढ़ाने में युवा अपनी सक्रिय और सशक्त मौजूदगी दर्ज कराएं।

रायगढ़ शहर में अधोऽरचना विकास को मिल रही प्राथमिकता, वार्ड-34 में आरसीसी नाली निर्माण का शिलान्यास



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि रायगढ़ शहर में नागरिक सुविधाओं को मजबूत करने और जरूरी अधोसंरचना विकसित करने के कार्यों को लगातार प्राथमिकता दी जा रही है। शासन का प्रयास है कि सभी विकास कार्य गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध तरीके से पूरे हों, ताकि आम नागरिकों को इनका सीधा लाभ मिल सके। इसी क्रम में वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने रायगढ़ शहर के वार्ड क्रमांक 34 नवापारा में जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए आरसीसी नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि नाली निर्माण पूरा होने से नवापारा क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था अधिक व्यवस्थित होगी और स्थानीय नागरिकों को सुविधा मिलेगी। तीन चरणों में होगा 79.17 लाख रुपए का कार्य आँकसीजोन के पीछे स्थित पुराने नाले के संधारण एवं नए निर्माण से संबंधित यह कार्य तीन चरणों में पूरा किया जाएगा। पहले चरण में 14.48 लाख रुपए की लागत से मनोज के घर से मनबोध के घर तक पुराने नाले का संधारण एवं निर्माण किया जाएगा। दूसरे चरण में 47.79 लाख रुपए की लागत से मनोज के घर से एनएच स्थित पुल तक नाला निर्माण कराया जाएगा। वहीं तीसरे चरण में वार्ड क्रमांक 33 में बाबूलाल के घर से चंदपीराम कोल्ड स्टोरेज तक 16.90 लाख रुपए की लागत से नाला एवं पुलिया निर्माण किया जाएगा। इस तरह तीनों चरणों में कुल 79.17 लाख रुपए की लागत से नाली एवं पुलिया निर्माण कार्य कराया जाएगा। कार्य पूर्ण होने के बाद क्षेत्र की जल निकासी व्यवस्था मजबूत होगी तथा नागरिकों को आवागमन में भी बेहतर सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर नगर निगम महापौर श्री जीवार्धन चौहान, सभापति श्री डीग्री लाल साहू, श्री उमेश अग्रवाल, श्री सुरेश गोरेल, पार्षदगण, अन्य जनप्रतिनिधि, संबंधित अधिकारी एवं बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे।

ग्रामीणों से आत्मीय संवाद कर वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने सुनी समस्याएं

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने आज रायगढ़ के डुमरमुड़ा आश्रित ग्राम केशला में ग्रामवासियों से आत्मीय संवाद किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली तथा उनकी बातों को गंभीरता से सुना। ग्रामीणों ने गांव से जुड़ी विभिन्न समस्याओं एवं विकास कार्यों के संबंध में अपनी बात वित्त मंत्री के समक्ष रखी। श्री चौधरी ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं के निराकरण और क्षेत्र के विकास के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने कहा कि डबल इंजन सरकार का लक्ष्य गांवों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करने के साथ ही ग्रामीणों के जीवन स्तर को बेहतर बनाना है। सरकार की प्राथमिकता है कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और ग्रामीण क्षेत्र सशक्त एवं समृद्ध बनें। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों से सीधे संवाद के माध्यम से स्थानीय



संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज जी का जीवन पूरे भारतवर्ष के लिए प्रेरणा का विषय : वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी आज संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज जी की 650वीं जयंती वर्ष के अवसर पर आयोजित सारगढ़ बिलाईगढ़ में जिला स्तरीय कलश वंदन अभियान कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने संत रविदास जी के जीवन और उनके विचारों को समाज के लिए प्रेरणादायी बताते हुए उनके आदर्शों को आत्मसात करने का आह्वान किया।कार्यक्रम के दौरान वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कलश वंदन



अभियान के तहत निकाले जाने वाले रथों को पीली झंडी दिखाकर रवाना किया तथा विधिवत रूप से कलश वंदन अभियान का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर उन्होंने संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज जी को नमन करते हुए उनके सामाजिक समरसता, समानता और मानव कल्याण के संदेश को याद किया। मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि संत रविदास जी का जीवन और उनके विचार पूरे भारतवर्ष के लिए प्रेरणा का विषय हैं। उन्होंने समाज में भेदभाव और ऊंच-नीच की भावना से ऊपर उठकर समानता, प्रेम, सद्भाव और मानवता का संदेश दिया। उनका जीवन हमें समाज के प्रत्येक वर्ग के सम्मान और सभी के कल्याण

की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि संत रविदास जी की 650वीं जयंती वर्ष के अवसर पर आयोजित कलश वंदन अभियान उनके विचारों और संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। ऐसे आयोजनों से समाज में सामाजिक समरसता, एकता और सद्भाव की भावना और मजबूत होती है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी और नागरिक उपस्थित रहे।

लोक भवन में गूंगा अपनत्व का संदेश, दिव्यांग बच्चों ने राज्यपाल रमेन डेका को बांधा रक्षा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर कोपल वाणी के श्रवण बाधित दिव्यांग बच्चों तथा मिनी मावेल्ले स्कूल के नन्हे-मुन्हे बच्चों ने आज लोक भवन पहुंचकर राज्यपाल श्री रमेन डेका को अपने हाथों से बनाई गई राखियां बांधीं। बच्चों ने रक्षा सूत्र बांधकर राज्यपाल के स्वस्थ, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की कामना की और उन्हें अपने हाथों से तैयार की गई राखियों की विशेषता भी बताई। इसके बाद बच्चों ने राज्यपाल का मुंह मीठा कराया। मासूम हाथों से बनाई गई राखियां जब राज्यपाल श्री डेका की कलाई पर सजीं तो रक्षाबंधन का यह अवसर आत्मीयता और भावनाओं से भर उठा। राज्यपाल ने बच्चों के स्नेह को सहर्ष स्वीकार करते हुए उन्हें आशीर्वाद दिया तथा उपहार भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया। लोक भवन पहुंचकर बच्चों के चेहरे पर खुशी और उत्साह देखते ही बन रहा था। विशेष रूप से कोपल वाणी के दिव्यांग बच्चों के लिए यह अवसर सम्मान, आत्मविश्वास और गौरव से भरा रहा। अपने हाथों से राखियां तैयार कर उन्हें राज्यपाल की कलाई पर बांधना बच्चों की रचनात्मकता, कौशल और आत्मनिर्भरता का सुंदर उदाहरण रहा। इस अवसर ने यह संदेश भी दिया कि दिव्यांग बच्चे समाज की मुख्यधारा का अभिन्न हिस्सा हैं और उन्हें समान अवसर एवं प्रोत्साहन मिलना चाहिए। राज्यपाल श्री डेका ने बच्चों की प्रतिभा और उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि रक्षाबंधन प्रेम, स्नेह और पारस्परिक विश्वास का पर्व है। बच्चों का यह आत्मीय स्नेह मन को छू लेने वाला है।

अभियान के तहत निकाले जाने वाले रथों को पीली झंडी दिखाकर रवाना किया तथा विधिवत रूप से कलश वंदन अभियान का शुभारंभ किया।



सिंदूर पार्क के विकास को मिलेगा नया स्वरूप



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओ.पी. चौधरी ने रायगढ़ स्थित सिंदूर पार्क का निरीक्षण किया। उन्होंने पार्क में अब तक हुए निर्माण एवं विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लेते हुए इसके बेहतर संचालन, सौंदर्यीकरण और नागरिक सुविधाओं के विस्तार के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान श्री चौधरी ने सिंदूर पार्क परिसर में ध्वजारोहण के लिए स्थल विकसित करने तथा ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी को स्थायी रूप से प्रदर्शित करने के लिए शिलालेख स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पार्क परिसर में पौधरोपण, घास एवं हरित क्षेत्र विकसित करने के साथ ही आम नागरिकों की

सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं का विस्तार करने पर विशेष जोर दिया। वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सशस्त्र बलों के शौर्य, साहस और पराक्रम का प्रतीक है। पहलगाम में हुए आतंक हमले के बाद भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा आतंकवादी ठिकानों के विरुद्ध की गई कार्रवाई ने देश की दृढ़ इच्छाशक्ति और सैन्य सामर्थ्य का

परिचय दिया। रायगढ़ में विकसित किया जा रहा सिंदूर पार्क इसी शौर्य और पराक्रम की स्मृतियों को जनमानस से जोड़ने का महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने अधिकारियों को पार्क के सभी विकास कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने तथा परिसर को आकर्षक और सुव्यवस्थित स्वरूप प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सिंदूर पार्क ऐसा स्थल बने, जहां वीर जवानों के शौर्य को नमन करने के साथ-साथ शहरवासी बेहतर वातावरण में समय भी बिता सकें। इस अवसर पर नगर निगम महापौर श्री जीवार्धन चौहान, सभापति श्री डीग्री लाल साहू, पार्षदगण एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर कृषि विभाग की सख्त कार्रवाई मेसर्स बालाजी कृषि केन्द्र सहित 34 कीटनाशक कंपनियों को नोटिस जारी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश पर कृषि विभाग ने सख्त तेवर दिखाए हैं। गौरतलब है कि जांजगीर-चांपा जिले के नवागढ़ विकासखंड अंतर्गत मेसर्स बालाजी कृषि केन्द्र में बिना प्रिंसिपल सर्टिफिकेट के अलग-अलग 34 कंपनियों के उत्पादन भंडारित पाए जाने पर नोटिस जारी कर कारण बताने कहा है। इसके साथ ही कीटनाशक उपलब्ध 34 कंपनियों को भी नोटिस जारी कर 02 सितंबर 2026 तक जवाब देने कहा गया है। इनमें रायपुर स्थित मेसर्स

पीआई इंडस्ट्रीज लिमिटेड श्री वासु लॉजिस्टिक्स लिमिटेड, मेसर्स आईपीएल ओवरसीज गणेश ट्रेडिंग कंपनी, मेसर्स कोर्टेवा एग्रीसाइंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में ई.आई. डुगोंट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड) मानव वेयरहाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स बीएसएसएफ इंडिया लिमिटेड, गायत्री ईसेक्टिसाइड इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स बायरा क्रॉप साइंस लिमिटेड, मेसर्स स्थाल कॉर्पोरेशन लिमिटेड कृष्णा केयर शामिल है। इसी प्रकार मेसर्स सिनजेटा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड वासु लॉजिस्टिक लिमिटेड, मेसर्स रालिस

इंडिया लिमिटेड आशा एंटरप्राइजेज, मेसर्स अतुल लिमिटेड, मेसर्स धर्माज क्रॉप गाड्स लिमिटेड, मेसर्स एमबीएफ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स सेफेक्स केमिकल्स इंडिया लिमिटेड दिनेश एगो, मेसर्स ईसेक्टिसाइड्स (इंडिया) लिमिटेड, मेसर्स नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड, मेसर्स अनु प्रोडक्ट्स लिमिटेड, मेसर्स जीएसपी क्रॉप साइंस प्राइवेट लिमिटेड, इसी प्रकार मेसर्स मेधनी एगोटेक प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स विलोवुड केमिकल्स लिमिटेड, मेसर्स निचिनो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड जे.बी., मेसर्स केमिनोवा

इंडिया लिमिटेड, मेसर्स श्रीराम बायोकेम कॉर्पोरेशन गणेश ट्रेडिंग कंपनी, मेसर्स जय सी लाइफ साइंसेज, मेसर्स इंडो स्विक्स केमिकल्स लिमिटेड, दिनेश एगो, मेसर्स भगवती ओवरसीज, मेसर्स श्रीराम बायोकेम कॉर्पोरेशन, गणेश ट्रेडिंग कंपनी, मेसर्स सरस्वती एगो केमिकल्स (इंडिया) प्राइवेट, मेसर्स जीवाग्रो लिमिटेड, श्री वासु लॉजिस्टिक्स लिमिटेड, मेसर्स एचपीएम केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड एवं मेसर्स आईपीएल बायोलॉजिकल लिमिटेड, मेसर्स ब्लू चिप मार्केटिंग कंपनी शामिल है।

नेपाल में बाढ़ एवं भूस्खलन में रायपुर की मोनिका यादव लापता

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। नेपाल में आई भीषण बाढ़ और भूस्खलन की आपदा के बीच छत्तीसगढ़ सरकार ने वहां मौजूद प्रदेश के नागरिकों की सुरक्षा और सहायता के लिए तत्परता से कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश पर राज्य सरकार प्रदेश के सभी जिलों से नेपाल गंत्यु नागरिकों की जानकारी एकीकृत

कर स्थिति की लगातार निगरानी कर रही है। रायपुर की मोनिका यादव लापता, तलाश जारी प्रशासनिक आंकड़ों के अनुसार रायपुर जिले के महादेव घाट (थाना डी.डी. नगर) की निवासी सुश्री मोनिका यादव के नेपाल में बाढ़ के बाद से लापता होने की सूचना मिली है। वे 22 अगस्त 2026 से नेपाल प्रवास पर थीं

और वर्तमान में परिजनों से उनका संपर्क टूट गया है। राज्य सरकार संबंधित अधिकारियों एवं केंद्रीय एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर उनकी सुरक्षित खोजबीन के प्रयास कर रही है। सरकार की परिजनों से अपील और हेलप्लाइन नंबर जारी संकट की इस घड़ी में छत्तीसगढ़ राज्य सरकार ने नागरिकों से सहयोग की

अपील की है। सहायता और सूचना के लिए जारी हेल्पलाइन नंबर टोल फ्री नंबर 1070, कट्रोल रूम नंबर 0771-2223471 छत्तीसगढ़ सरकार ने आश्वस्त किया है कि वह प्रभावित नागरिकों और उनके परिजनों की मदद के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ खड़ी है।

बिहान की दीदियों ने उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा को राखी बांधकर दी बधाई, साझा किए गुजरात भ्रमण के अनुभव

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कबीरधाम जिले के बिहान स्व-सहायता समूहों से जुड़ी दीदियों और पशुपालकों का गुजरात के बनासकांठा स्थित डेयरी कोऑपरेटिव एवं अमूल डेयरी कोऑपरेटिव का शैक्षणिक भ्रमण उपयोगी और प्रेरणादायी रहा। भ्रमण से वापस लौटने के बाद बिहान समूह की दीदियों ने कवर्था निवास पहुंचकर उपमुख्यमंत्री एवं कवर्था विधायक श्री विजय शर्मा से आत्मीय मुलाकात की। इस दौरान दीदियों ने उन्हें रक्षाबंधन की बधाई देते हुए राखी बांधी और गुजरात में मिले अनुभवों तथा सीखी गई नई तकनीकों की जानकारी साझा की। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने सभी दीदियों और पशुपालकों का आत्मीय स्वागत करते हुए उनके अनुभव सुने। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक भ्रमण का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होता है, जब वहां से मिली सीख को अपने गांव और जिले में अपनकर आजीविका के नए अवसर तैयार किए जाएं।



उन्होंने दीदियों से बनासकांठा में देखी गई उन्नत डेयरी व्यवस्था, पशुपालन तकनीक, चारा प्रबंधन, दुग्ध संकलन, गुणवत्ता नियंत्रण और सहकारी मॉडल से मिली सीख को स्थानीय

जिले के 17 बिहान समूहों की दीदियों और 17 पशुपालकों को गुजरात के बनासकांठा के शैक्षणिक भ्रमण पर भेजा गया था। दल ने वहां डेयरी कोऑपरेटिव और अमूल डेयरी कोऑपरेटिव की कार्यप्रणाली का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। भ्रमण के दौरान प्रतिभागियों ने उन्नत पशुपालन तकनीक, संतुलित आहार एवं चारा विकास, दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के उपाय, दुग्ध संकलन एवं प्रसंस्करण की आधुनिक व्यवस्था, दूध की गुणवत्ता जांच, डेयरी उत्पाद निर्माण और उनके विपणन की पूरी प्रक्रिया को करीब से समझा। इसके साथ ही सहकारी मॉडल के माध्यम से छोटे पशुपालकों को संगठित कर उनकी आय और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की व्यवस्था की भी जानकारी प्राप्त की। सीख को कबीरधाम में लागू करने का संकल्प गुजरात से लौटी दीदियों ने बताया कि वहां पशुपालन और डेयरी गतिविधियों को केवल व्यक्तिगत

आय का साधन नहीं, बल्कि सामूहिक आर्थिक विकास के मॉडल के रूप में विकसित किया गया है। दुग्ध उत्पादकों को बाजार से जोड़ने, गुणवत्ता बनाए रखने और दूध के बेहतर मूल्य प्राप्त करने की व्यवस्थाओं ने उन्हें विशेष रूप से प्रभावित किया। दीदियों ने कहा कि बनासकांठा में मिली सीख से उन्हें अपने गांवों में पशुपालन और डेयरी गतिविधियों को और बेहतर ढंग से संचालित करने की प्रेरणा मिली है। वे वहां सीखी गई उपयोगी तकनीकों और प्रबंधन पद्धतियों को अन्य ग्रामीण महिलाओं तथा पशुपालकों के साथ साझा कर सामूहिक रूप से आजीविका के नए अवसर विकसित करने का प्रयास करेंगी। ग्रामीण महिलाओं और पशुपालकों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पहल उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ग्रामीण महिलाओं और पशुपालकों को

आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। बिहान स्व-सहायता समूहों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को संगठित कर उन्हें बिहान आर्थिक गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है। वहीं पशुपालन और डेयरी क्षेत्र में उत्पादन बढ़ाने, बेहतर प्रबंधन और बाजार से जुड़ाव के माध्यम से पशुपालकों की आय में वृद्धि के लिए विभिन्न पहल की जा रही है।उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि कबीरधाम की दीदियों और पशुपालकों का बनासकांठा भ्रमण केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि सीख को स्थानीय स्तर पर आजीविका के अवसरों में बदलने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। गुजरात के सफल डेयरी मॉडल से प्राप्त अनुभव आने वाले समय में कबीरधाम में दुग्ध उत्पादन, महिला स्व-सहायता समूहों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को और मजबूत करने में उपयोगी साबित होंगे।